मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 37
बुधवार, 12 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

'डरो मत, सदन में आकर गृह मंत्री का जवाब सुनो', एनडीए सांसदों की राहुल गांधी को चुनौती

नई दिल्ली, 11 अगस्त। मानसून सत्र अब समाप्त होने वाला है, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच न खींचतान खत्म हुई और न संसद का गतिरोध टूट सका। बीते लगभग बीस दिनों में कई बार ऐसे अवसर आए, जब विपक्ष की मांग पूरी करते हुए सरकार सदन के सुचारू संचालन की राह बनाती दिखी, लेकिन नए-नए मुद्दों की सूची लिए सरकार की घेराबंदी के लिए विपक्ष हर बार रास्ते में खड़ा दिखा।

पेपर लीक पर चर्चा और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे का मुद्दा हल होने के बाद खास तौर पर कांग्रेस सांसद हर दिन संसद के मकर द्वार पर 'गृह मंत्री सदन में आओ, जवाब दो' के नारे बुलंद कर सरकार के बैकफुट पर होने का नैरेटिव खड़ा करने के प्रयास में दिखी, लेकिन सोमवार को गृह मंत्री द्वारा सदन में हर बिंदु पर जवाब देने के सरकार के आश्वासन के बाद नैरेटिव ने भी मौसम की तरह करवट लेना शुरू कर दी।

मंगलवार को संसद का दृश्य बदला हुआ था। संसद के द्वार पर विपक्ष से अधिक तेवर में सत्ता पक्ष था। कांग्रेस के लिए नारों में चुनौती गूंज रही थी- राहुल गांधी डरो मत, भागो मत। हिम्मत है तो सदन में आओ और गृह मंत्री का जवाब सुनो।

छात्रों के मुद्दे पर सरकार को घेरने में विपक्ष ने इस बार कोई कसर नहीं छोड़ी। कई मुद्दों का हल हो जाने के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे इसी मांग पर अड़े थे कि गृह मंत्री छात्रों पर सख्त कार्रवाई के संबंध में सदन में आकर जवाब दें, जबकि समाजवादी पार्टी मुख्य रूप से राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठा रही थी।

अपनी-अपनी मांग को लेकर संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले हर दिन यह विपक्षी सांसद प्रदर्शन करते दिखाई दिए, लेकिन मंगलवार को नजारा बदल चुका था। एक तो सरकार की ओर से गृह मंत्री के जवाब का आश्वासन और दूसरा झारखंड में चल रहा छात्र आंदोलन। इन दो कारणों से सरकार के तेवर पूरी तरह बदल गए।संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले राजग सांसदों ने लाइब्रेरी से लेकर मकर द्वार तक पैदल मार्च निकाला। झारखंड में आंदोलनरत छात्रों के मुद्दे पर राहुल गांधी से जवाब मांग रहे थे। नारों का पलटवार था- राहुल गांधी दोषी हैं या अक्षम हैं, क्योंकि वहां कांग्रेस सरकार में भागीदार है। इसके अलावा राजग सांसद नारे लगा रहे थे- राहुल गांधी डरो मत, भागो मत। हिम्मत है तो सदन में आओ और गृह मंत्री का जवाब सुनो।भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि संविधान निमार्ताओं ने भी नहीं सोचा होगा कि एक बिगड़ा दिल शहजादे की उद्दंडता और सनक संसद को बंधक बना लेगी। उन्होंने राहुल गांधी के आचरण को लोकतंत्र के चुनौती बताते हुए चुनौती दी कि यदि हिम्मत है तो नेता प्रतिपक्ष सदन से भागे नहीं, चर्चा में भाग लेकर गृह मंत्री का जवाब सुनें।वहीं, विपक्ष भी अपने तेवर नरम नहीं पड़ने देना चाहता। सत्ता पक्ष के नारों के बीच से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा मुस्कुराते हुए गुजरीं।

वंदे मातरम बिल बना कानून, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी मंजूरी; राष्ट्रगान जैसा ही अब होगा सम्मान

नई दिल्ली, 11 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को 'वंदे मातरम बिल' को मंजूरी दे दी, जिससे राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रीय गान के समान कानूनी संरक्षण मिल गया है। संसद ने पिछले महीने 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' पास किया, जिसमें 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' में संशोधन किया गया। इस कानून का मकसद 'वंदे मातरम' को भी राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' जैसी ही कानूनी सुरक्षा देना है।

राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह विधेयक अब कानून बन गया है। अब ऐसे अपराधों के लिए तीन साल तक की जेल, जुमार्ना या दोनों सजा हो सकती है। इससे पहले, 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम' के तहत राष्ट्रीय गान ('जन गण मन') को गाने से जानबूझकर रोकना या इसे गाते समय किसी सभा में बाधा डालना मना था। इन अपराधों के लिए तीन साल तक की जेल, जुमार्ना या दोनों सजा का प्रावधान था, जबकि दूसरी बार और उसके बाद हर बार दोषी पाए जाने पर कम से कम एक साल की जेल की सजा होती थी। पुराने कानून में राष्ट्रीय गीत के लिए वैसी सुरक्षा नहीं थी। बिल में कहा गया है कि अभी 'वंदे मातरम' के गायन के अपमान को रोकने के लिए कोई खास कानूनी प्रावधान नहीं है, जबकि इसे राष्ट्रीय गीत का सम्मान प्राप्त है। इसलिए, किसी व्यक्ति को राष्ट्रीय गीत गाने से जानबूझकर रोकने या ऐसे गायन में लगी किसी सभा में बाधा डालने से रोकने के लिए, उक्त अधिनियम की धारा 3 में संशोधन करके राष्ट्रीय गीत को भी इसके दायरे में लाने का प्रस्ताव है, ताकि ऐसे कार्यों को दंडनीय बनाया जा सके। बिल में आगे कहा गया है कि संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 24 जनवरी, 1950 को कहा था कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित गीत 'वंदे मातरम' - जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी - को राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' के समान ही सम्मान दिया जाएगा और उसे उसके बराबर का दर्जा प्राप्त होगा।

टोरेंट पावर हटाने की मांग को लेकर सांसद बाल्या मामा ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

भिवंडी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी सांसदों ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान सांसदों ने अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को प्रधानमंत्री के समक्ष रखा। भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भिवंडी में टोरेंट पावर की फ्रेंचाइजी व्यवस्था को हटाने के मुद्दे पर चर्चा की। इसके साथ ही मुरबाड रेलवे लाइन शुरू करने तथा नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय विमानतल को लोकनेता स्व. दि. बा. पाटिल का नाम देने की मांग भी उन्होंने प्रधानमंत्री के समक्ष रखी। सांसद बाल्या मामा ने कहा कि संसद के मौजूदा अधिवेशन में सदन के भीतर अपने लोकसभा क्षेत्र के इन महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने का अवसर नहीं मिल सका। इसलिए पार्टी नेता सुप्रिया सुले के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री से मुलाकात कर भिवंडी के टोरेंट पावर सहित तीनों महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इन मांगों से संबंधित लिखित निवेदन भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपा गया है और उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इन महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय लेगी।

क्रिकेटर अभिषेक पोरेल दुष्कर्म के आरोपों में गिरफ्तार, तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजे गए

कोलकाता, 11 अगस्त। युवा क्रिकेटर अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी की खबर ने खेल जगत को हिला कर रख दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल में खेलने वाले बंगाल के इस क्रिकेटर को एक आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया गया है। एक मेडिकल छात्रा ने पोरेल पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के साथ मारपीट और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाया है।

पोरेल की गिरफ्तारी के बाद हुगली (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक कुंवर भूषण सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए कहा, 'उनके खिलाफ मामला दर्ज था और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए अदालत का आदेश था। उन्हें कल देर रात गिरफ्तार किया गया। इसके बाद अदालत में पेश किया गया। चिनसुराह की एक अदालत ने पोरेल को जमानत देने से इनकार कर दिया और तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।' पुलिस के मुताबिक, पोरेल को मोगरा पुलिस ने सोमवार देर रात गिरफ्तार किया था।

पोरेल की गिरफ्तारी कलकत्ता हाईकोर्ट के 20 जुलाई के आदेश के बाद हुई। अदालत ने पुलिस को इस मामले में क्रिकेटर को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। अदालत ने शिकायतकर्ता की तस्वीरों के प्रसार को रोकने के लिए पोरेल के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त करने का भी आदेश दिया था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक की एक युवा मेडिकल छात्रा ने 23 जून को मोगरा पुलिस थाने में पोरेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में छात्रा ने आरोप लगाया कि वह और पोरेल करीब साढ़े तीन साल से रिश्ते में थे और दोनों ने शादी करने की योजना बनाई थी। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि दोनों विदेश यात्रा पर साथ गए थे, लेकिन बाद में पोरेल ने उनके रिश्ते से इनकार कर दिया। इसके बाद उसने पुलिस से संपर्क किया।

शिकायत के मुताबिक, करीब डेढ़ साल पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था। यह विवाद बढ़कर पुलिस थाने तक पहुंचा था, लेकिन उस समय कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। 23 जून को शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस की टीमें पोरेल के चंदननगर स्थित घर पर कई बार गईं, लेकिन वह वहां नहीं मिले। इसके बाद महिला ने कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया। अदालत ने 20 जुलाई को पुलिस को पोरेल को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पोरेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 69 के अलावा धारा 311 और 318 तथा बीएनएस की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 और 72 भी लगाई गई हैं।

चीन के स्पेस मिशन को तगड़ा झटका : लॉन्च होते ही आसमान में फटा चीनी रॉकेट

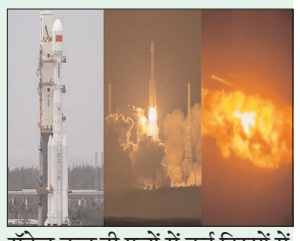

चीन। चीन के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा है। सोमवार रात हेनान द्वीप स्थित वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से उड़ान भरने वाला Long March 7A रॉकेट महज करीब 85 सेकंड बाद आसमान में टूटकर आग के विशाल गोले में बदल गया। रॉकेट के साथ वह कम्युनिकेशन सैटेलाइट भी नष्ट हो गया, जिसे पृथ्वी की कक्षा में पहुंचाया जाना था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद चीन के स्पेस प्रोग्राम को लेकर सवाल उठने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक Long March 7A ने सोमवार रात चीन के वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से उड़ान भरी थी। लॉन्च के बाद रॉकेट सामान्य तरीके से ऊपर बढ़ता दिखाई दिया, लेकिन करीब 85 सेकंड बाद अचानक उसमें जोरदार विस्फोट हो गया।

वीडियो में देखा जा सकता है कि रॉकेट कुछ ही पलों में कई हिस्सों में टूट जाता है और उसके बाद आसमान में आग का बड़ा गोला दिखाई देता है। इस हादसे के साथ पूरा मिशन विफल हो गया। यह रॉकेट Zhongxing-4B यानी ChinaSat-4B कम्युनिकेशन सैटेलाइट को अंतरिक्ष में पहुंचाने के लिए भेजा गया था। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार यह सैटेलाइट रेडियो, टेलीविजन और अन्य संचार सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया जाना था। रॉकेट के नष्ट होने के साथ सैटेलाइट भी अपने निर्धारित ऑर्बिट तक नहीं पहुंच सका।

सरकार मुद्दों से भाग रही, संसद में विपक्ष अपना रुख नहीं बदलेगा : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 11 अगस्त। मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संसद में गतिरोध जारी रहने के बावजूद विपक्ष अपनी मांगों पर शुरू से ही अडिग रहा है और उसने अपना लक्ष्य नहीं बदला है। खड़गे ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि गृह मंत्री अमित शाह प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई, जिसमें पैलेट गन का इस्तेमाल भी शामिल है, पर बयान दें। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा 18 दिनों से अनसुलझा है। खड़गे ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि हम अपना रुख नहीं बदल रहे हैं। शुरू से ही हमारा स्टैंड एक जैसा रहा है और हमारे तीन खास मुद्दे हैं। पहला मुद्दा छात्रों पर लाठीचार्ज और फायरिंग का है - हम जानना चाहते हैं कि आदेश किसने दिए और यह सब कैसे हुआ; हम इस बारे में सदन में बयान चाहते हैं। दूसरा, लाठीचार्ज की वजह से कई छात्र बीमार पड़ गए या उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा; 100 से ज्यादा छात्रों को मामूली चोटें आईं और कई छात्र पैलेट गन से घायल हुए। हम इस मामले पर भी बयान चाहते हैं। 18 दिन बीत चुके हैं, लेकिन बयान देने की कोई इच्छा नहीं दिखाई जा रही है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि वे बस जल्दबाजी में अपनी बात कहकर आगे बढ़ जाना चाहते हैं; यही उनका मकसद है। दूसरा मुद्दा 'चंदा चोरी' का है और तीसरा मुद्दा माफी मांगने की मांग है। ये तीनों मुद्दे शुरू से ही उठाए गए हैं, अभी भी अहम हैं और जब तक इनका समाधान नहीं हो जाता, तब तक ये बने रहेंगे। खड़गे ने कहा कि झारखंड में छात्रों का विरोध-प्रदर्शन एक अलग मुद्दा है और सवाल उठाया कि क्या सभी मामलों पर एक साथ चर्चा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वह एक अलग मुद्दा है। सैकड़ों मुद्दे हैं, उन पर अलग-अलग चर्चा होती है? क्या हम हर मुद्दे को एक ही दिन उठाते हैं? उनकी यह टिप्पणी उस घटना के एक दिन बाद आई है जब उन्होंने और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद में जारी गतिरोध के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाह को जिम्मेदार ठहराया था।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त 2026) पर विशेष

युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

-ललित गर्ग

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जागृत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-ह्वविभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँह्व यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं।

दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जागृत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा।

युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित किए जाएं, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें। आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है।

आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करे। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलित हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय-समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है।

यौवन अपने आप में उपलब्धि नहीं है। युवकत्व चेतना की अवस्था है। चेहरे पर जवानी हो और विचारों में जड़ता हो तो यौवन अधूरा है। ऊर्जा हो लेकिन दिशा न हो तो वही ऊर्जा संकट बन सकती है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को दो चीजों की सबसे अधिक आवश्यकता है-जोश और होश। जोश उसे ऊँचा उड़ाए और होश उसे सही दिशा दे। जोश उसे सपने दिखाए और विवेक उन सपनों को यथार्थ में बदले। जोश उसे संघर्ष करना सिखाए और करुणा उसे मनुष्य से जोड़े। स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा, सुकरात की प्रश्नाकुलता, महात्मा गांधी की करुणा और डॉ. कलाम के सपनों का समन्वय आज के युवा के व्यक्तित्व में दिखना चाहिए। दुनिया के युवाओं से यह कहना आसान है कि बड़े सपने देखो, लेकिन केवल सपने देखने के लिए कहना पर्याप्त नहीं है। सपनों को आकार देने के लिए अवसरों की संरचना भी करनी होगी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है कि हमारी परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी आकांक्षाएँ साझा हैं। भारत का युवा अवसर चाहता है, अफ्रीका का युवा शिक्षा और रोजगार चाहता है, युद्धग्रस्त क्षेत्र का युवा शांति चाहता है, द्वीपीय देशों का युवा सुरक्षित पर्यावरण चाहता है और तकनीकी दुनिया का युवा समान अवसर चाहता है। अर्थात दुनिया के युवा अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग संस्कृतियों में रहते हैं, लेकिन उनके सपनों की भाषा बहुत कुछ समान है। इसलिए आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उन्हें अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें। क्योंकि राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, सरकारी कार्यालयों या योजनाओं की फाइलों में नहीं लिखा जाता, वह युवाओं की आँखों में पल रहे सपनों में लिखा जाता है।

बुलंदशहर से शुरूआत: क्या 10 लीटर गोमूत्र बदल पाएगा युपी के ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर?

अशोक भाटिया

भारत के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश की राजनीति, समाज और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोवंश हमेशा से एक केंद्रीय बिंदु रहा है। हाल ही में राज्य की योगी सरकार द्वारा 10 प्रति लीटर की दर से गोमूत्र खरीदने का जो पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, उसने नीतिगत गलियारों से लेकर गांव की चौपालों तक एक नई बहस को जन्म दे दिया है। बुलंदशहर जिले के 15 गांवों से शुरू हुई यह पहल प्रथम दृष्टया केवल एक पारंपरिक या धार्मिक एजेंडे का हिस्सा दिखाई दे सकती है, लेकिन जब हम इसके अंतर्निहित आर्थिक ढांचे, सप्लाई चेन और ग्रामीण रोजगार के मॉडल का गहराई से विश्लेषण करते हैं, तो यह पारंपरिक पशुपालन को एक आधुनिक औद्योगिक मूल्य श्रृंखला से जोड़ने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास नजर आता है। किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि उसका विचार कितना लोक-लुभावन है, बल्कि इस पर निर्भर करती है कि उसके पीछे कितना व्यावहारिक 'दम' है और उसे जमीन पर उतारने के लिए 'कितनी तैयारी' की गई है। यह संपादकीय इसी यक्ष प्रश्न का उत्तर तलाशने का एक गंभीर प्रयास है।

इस योजना के वास्तविक 'दम' को समझने के लिए हमें ग्रामीण भारत के वर्तमान संकट, विशेषकर लावारिस गोवंश की समस्या और खेती की बढ़ती लागत को समझना होगा। अब तक भारत में पशुपालन का पूरा अर्थशास्त्र केवल दुग्ध उत्पादन पर टिका रहा है। जैसे ही कोई गाय दूध देना बंद कर देती है, वह छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक आर्थिक बोझ बन जाती है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में लावारिस और अनुत्पादक पशुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है, जिससे न केवल फसलें बर्बाद हो रही हैं बल्कि सामाजिक और कानून-व्यवस्था के स्तर पर भी तनाव पैदा हो रहा है। सरकार का यह नया मॉडल इसी संकट को एक अवसर में बदलने का दावा करता है। यदि एक किसान को दूध न देने वाली गाय से भी प्रतिदिन चार से पांच लीटर गोमूत्र प्राप्त होता है, तो 10 प्रति लीटर की दर से वह प्रतिदिन 40 से 50 की अतिरिक्त आय अर्जित कर सकता है। भविष्य में इस खरीद दर को 20 प्रति लीटर तक ले जाने का जो प्रस्ताव है, वह इस आय को दोगुना कर सकता है। यह सीधे तौर पर अनुत्पादक गोवंश को 'आर्थिक रूप से उत्पादक' बनाने का गणित है, जो किसानों को अपने मवेशियों को खुला छोड़ने से रोकेगा।

इस योजना का दूसरा सबसे बड़ा रणनीतिक लाभ जैविक और प्राकृतिक खेती को मिलने वाला प्रोत्साहन है। वर्तमान में रासायनिक खादों और कीटनाशकों पर सरकारी सब्सिडी का बोझ लगातार बढ़ रहा है, और इसके साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी क्षीण हो रही है। एकत्र किए गए गोमूत्र का उपयोग विभिन्न स्थानीय जड़ी-बूटियों के साथ मिलाकर उच्च गुणवत्ता वाले नीमस्त्र, ब्रह्मास्त्र और जीवामृत जैसे जैविक कीटनाशक और फसल संवर्धक बनाने में किया जाना तय हुआ है। यह कृषि की लागत को कम करने का एक विकेंद्रीकृत मॉडल है। यदि ग्रामीण स्तर पर ही कीटनाशकों का निर्माण होने लगे, तो किसानों को महंगे कॉर्पोरेट रसायनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे अंततः ग्रामीण धन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के भीतर ही घूमता रहेगा।

कोई भी नीति कितनी भी दूरदर्शी क्यों न हो, यदि उसकी प्रशासनिक और ढांचागत तैयारी कमजोर है, तो वह दम तोड़ देती है। इस मामले में, उत्तर प्रदेश सरकार ने सीधे तौर पर सरकारी मशीनरी पर निर्भर रहने के बजाय किसान उत्पादक संगठनों और महिला स्वयं सहायता समूहों को इस व्यवस्था की रीढ़ बनाया है, जो एक समझदारी भरा कदम है। बुलंदशहर की स्याना तहसील के नरसैना गांव से संचालित हो रहा पायलट प्रोजेक्ट इसका जीवंत उदाहरण है। इस मॉडल में ग्रामीण महिलाओं को एफपीओ का शेयरहोल्डर बनाया गया है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हुई है।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

तैयारी के स्तर पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लक्षित गांव में 200 लीटर की क्षमता वाले विशेष संग्रहण टैंक स्थापित किए जा रहे हैं। यह कदम इसलिए आवश्यक है क्योंकि गोमूत्र जैसी तरल और जल्दी खराब होने वाली वस्तु के लिए तत्काल भंडारण की व्यवस्था होना अनिवार्य है। इससे भी अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण यह है कि गोमूत्र का संग्रह करने वाली ग्रामीण महिलाओं को ?2 प्रति लीटर का सीधा कमीशन दिया जा रहा है। यह व्यवस्था दोतरफा काम करती है–एक तरफ तो यह महिलाओं के लिए गांव के भीतर ही एक नियमित और सम्मानजनक रोजगार की गारंटी देती है, वहीं दूसरी तरफ यह सप्लाई चेन में शुद्धता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत प्रोत्साहन का काम करती है। वर्तमान में इन 15 गांवों से प्रतिदिन लगभग 500 लीटर गोमूत्र का संग्रह होना यह साबित करता है कि शुरूआती स्तर पर लॉजिस्टिक्स एण्ड सप्लाई चेन का ढांचा काम कर रहा है।

बुलंदशहर के शुरूआती आंकड़े भले ही उत्साहजनक हों, लेकिन जब हम इस मॉडल को उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों और हजारों गांवों में लागू करने की बात करते हैं, तो चुनौतियों का एक विशाल पहाड़ सामने खड़ा दिखाई देता है। सबसे पहली और सबसे बड़ी चुनौती गुणवत्ता नियंत्रण की है। आयुर्वेद और जैविक कृषि के सिद्धांतों के अनुसार, केवल स्वस्थ और विशेषकर देसी नस्ल के गोवंश का गोमूत्र ही दवाओं और प्रभावी कीटनाशकों के लिए उपयुक्त माना जाता है। बड़े पैमाने पर संग्रहण के दौरान इस बात की निगरानी कैसे की जाएगी कि एकत्र किया जा रहा तरल शुद्ध है और उसमें पानी या अन्य मिलावट नहीं है? इसके लिए ग्रामीण स्तर पर त्वरित और सस्ती टेस्टिंग किट विकसित करनी होगी, अन्यथा घटिया गुणवत्ता का कमी का कच्चा माल पूरे प्रसंस्करण उद्योग को ठप कर सकता है।

दूसरी बड़ी चुनौती बाजार लिंकेज की है। गोमूत्र का संग्रह करना और उससे कीटनाशक बनाना प्रक्रिया का केवल आधा हिस्सा है। असली परीक्षा तब होगी जब इन जैविक उत्पादों को बाजार में स्थापित ब्रांडों के मुकाबले बेचा जाएगा। क्या भारतीय किसान, जो लंबे समय से रासायनिक खादों के त्वरित परिणामों के आदी हो चुके हैं, इन जैविक कीटनाशकों को उतनी ही सहजता से अपनाएंगे? इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों और विस्तार कार्यकताओं के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता होगी। यदि अंतिम उत्पाद की बिक्री सुचारू रूप से नहीं हुई, तो एफपीओ के पास स्टॉक जमा हो जाएगा और वे किसानों को 10 प्रति लीटर का भुगतान करने में असमर्थ हो जाएंगे, जिससे पूरी व्यवस्था ताश के पत्तों की तरह ढह सकती है। इसके अतिरिक्त, छत्तीसगढ़ की 'गोधन न्याय योजना' के अनुभवों से उत्तर प्रदेश को सीखना होगा, जहां गोबर खरीद के दौरान वित्तीय प्रबंधन और भंडारण की गंभीर समस्याएं सामने आई थीं।

इस प्रकार के गो-आधारित आर्थिक प्रयोगों पर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों की प्रतिक्रियाएं काफी तीखी और आलोचनात्मक रही हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व में सरकार की प्राथमिकताओं पर तंज कसते हुए कहा था कि सत्तारूढ़ दल को विकास के आधुनिक मॉडलों (जैसे इत्र पार्क) के मुकाबले केवल गौशालाओं की राजनीति पसंद है, और उन्होंने आरोप लगाया कि सांडों को पकड़ने और गोवंश प्रबंधन के नाम पर आने वाले बजट का दुरुपयोग हो रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस जैसी पार्टियों ने इस दृष्टिकोण की आलोचना की है। हाल ही में संसद के भीतर एक बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकारी पैनलों में पारंपरिक मान्यताओं को थोपने का विरोध करते हुए तंज भरे लहजे में 'गोमूत्र विशेषज्ञ' जैसे शब्दों का प्रयोग किया, जिसके बाद सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

विपक्षी खेमे का मुख्य तर्क यह है कि ऐसी योजनाएं ग्रामीण संकटों, जैसे बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास मात्र हैं। इसके अलावा, वैज्ञानिक समुदाय के एक वर्ग और तर्कवादियों का भी सहारा लेकर विपक्ष इसे जनहित के पैसों को बिना किसी ठोस आधुनिक वैज्ञानिक प्रामाणिकता के 'आस्था आधारित छद्म विज्ञान' पर खर्च करने की नीति करार देता है। उनका मानना है कि गोमूत्र खरीद जैसे लोक-लुभावन कदमों के बजाय बुनियादी ग्रामीण बुनियादी ढांचे और किसानों की मुख्य फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) को मजबूत करने पर सरकारी धन खर्च होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में गोमूत्र खरीद का यह पायलट प्रोजेक्ट ग्रामीण विकास की दिशा में एक लीक से हटकर उठाया गया कदम है। इसमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने, रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों को कम करने और लावारिस पशुओं की समस्या का मानवीय व आर्थिक समाधान खोजने का पूरा 'दम' मौजूद है। बुलंदशहर की ढांचागत तैयारी यह दर्शाती है कि सरकार इस बार केवल कागजी घोषणाओं के भरोसे नहीं है, बल्कि उसने विकेंद्रीकृत भंडारण और महिला-केंद्रित प्रोत्साहन मॉडल के रूप में एक व्यावहारिक शुरूआत की है।

हालांकि, इसे एक दीर्घकालिक और आत्मनिर्भर आर्थिक क्रांति में बदलने के लिए सरकार को इसे केवल एक सरकारी योजना के रूप में देखने के बजाय एक 'बिजनेस स्टार्टअप' की तरह प्रबंधित करना होगा। राज्यव्यापी विस्तार से पहले कॉर्पोरेट जगत के सहयोग से इसके विपणन को मजबूत करना होगा और प्रसंस्करण इकाइयों की तकनीक को अपग्रेड करना होगा। यदि उत्तर प्रदेश सरकार इन ढांचागत और व्यावहारिक चुनौतियों को पार करने में सफल रहती है, तो यह मॉडल न केवल यूपी के ग्रामीण परिदृश्य को बदल देगा, बल्कि पूरे देश के सामने गाय, किसान और भूमि के अंतसंबंधों को पुनर्जीवित करने का एक अनूठा 'गोधन अर्थशास्त्र' प्रस्तुत करेगा।

बागी संग्राम सिंह : जौनपुर की मिट्टी का वह अमर स्वर, जिसे अंग्रेज कभी दबा न सके!

-सुरेश गांधी

पूर्वांचल की धरती पर यदि किसी जनपद ने स्वतंत्रता संग्राम की चेतना को गांव-गांव तक पहुंचाया, तो वह जौनपुर था। 1857 की क्रांति से लेकर भारत छोड़ो आंदोलन तक यहां की मिट्टी लगातार विद्रोह, बलिदान और स्वाभिमान की गवाह बनी रही। नेवढ़िया के बागी संग्राम सिंह, हौज गांव के शहीद बालदत्त, माता बादल चौहान, सल्तनत बहादुर सिंह, दीप नारायण वर्मा और रामेश्वर प्रसाद सिंह जैसे वीरों ने अंग्रेजी सत्ता को खुली चुनौती दी। जौनपुर के किसानों, जमींदारों, विद्यार्थियों, महिलाओं और साधारण ग्रामीणों ने जिस व्यापक भागीदारी से स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया, वह इतिहास में अद्वितीय है। यहां अंग्रेजी टुकड़ियों पर हमले हुए, तिरंगा फहराने के लिए गोलियां खाई गईं, टेलीफोन लाइनें काटी गईं, पुल ध्वस्त किए गए और गांवों ने वर्षों तक शोक में त्योहार तक नहीं मनाए। यही कारण है कि जौनपुर को केवल एक जिला नहीं, बल्कि ह्वस्वतंत्रता सेनानियों का गढ़ह्व कहा जाता है। आजादी के अमृतकाल में यह विरासत नई पीढ़ी को याद दिलाती है कि स्वतंत्रता हजारों अनाम और अमर बलिदानों की देन है।

वैसे भी इतिहास का एक विचित्र स्वभाव है। वह साम्राज्यों की विजयगाथाएं बड़े अक्षरों में लिखता है, किंतु उन लोकनायकों को अक्सर हाशिए पर छोड़ देता है जिन्होंने अपनी मिट्टी, अपने गांव और अपने स्वाभिमान के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया। बागी संग्राम सिंह ऐसे ही लोकनायक हैं। वे केवल एक व्यक्ति नहीं थे; वे उस अस्मिता का नाम थे जिसने अंग्रेजी सत्ता को यह बता दिया था कि भारत की धरती पर शासन करना आसान हो सकता है, लेकिन भारतीय आत्मा को पराजित करना असंभव है। उनके जीवन का सबसे बड़ा आकर्षण यह है कि वे अंग्रेजों की पकड़ में कभी नहीं आए। उन्होंने खुली चुनौती दी थी कि कोई अंग्रेज सिपाही उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकता, और अंततः हुआ भी वही। उनका जन्म सब जानते हैं, किंतु उनकी मृत्यु कब और कहां हुई, यह आज भी रहस्य बना हुआ है। यही रहस्य उन्हें इतिहास से अधिक लोकस्मृति का नायक बनाता है। जौनपुर के गांवों में आज भी बुजुर्ग उनकी वीरता की कथाएं उसी गर्व से सुनाते हैं जैसे किसी घर के अपने पुरखे की गाथा सुनाई जाती हो।

एक बालक के भीतर जन्म लेती क्रांति

संग्राम सिंह का जन्म वर्ष 1822 में नेवढ़िया के एक प्रतिष्ठित जमींदार परिवार में हुआ। उनका परिवार संपन्न था। बीस बीघे में फैला कोट, सात बीघे में स्थित हवेली और आसपास के गांवों में सम्मान–सब कुछ उनके पास था। परंतु इतिहास का निर्माण वैभव नहीं करता; इतिहास का निर्माण संवेदना करती है। कहा जाता है कि जब वे मात्र बारह वर्ष के थे, तब उन्होंने अंग्रेज सिपाहियों को एक महिला के साथ दुर्व्यवहार करते देखा। उस बालक की आंखों में क्रोध की अग्नि भड़क उठी। उसने बिना भय के उस गोरे सिपाही की पिटाई कर दी। यह घटना केवल एक साहसिक प्रतिक्रिया नहीं थी; यही वह क्षण था जब एक बालक के भीतर विद्रोह जन्म ले रहा था। अंग्रेजों ने उस दिन शायद एक बालक को देखा होगा, किंतु जौनपुर की मिट्टी ने उस दिन अपने भावी क्रांतिकारी को पहचान लिया था।

जमींदार से जननायक बनने की यात्रा

संपन्न परिवारों के युवाओं के सामने सामान्यतः आराम और प्रतिष्ठा का मार्ग खुला रहता है, किंतु संग्राम सिंह ने वैभव के बजाय संघर्ष को चुना। वे ग्रामीणों के बीच रहते, किसानों की पीड़ा सुनते और अंग्रेजी शासन की कठोरता को समझते थे। धीरे-धीरे वे स्थानीय जनमानस में विश्वास का केंद्र बन गए। उनकी सभा चौपाल पर भी होती थी और खेत की मेड़ पर भी। वे तलवार के साथ-साथ शब्दों से भी लोगों में आत्मसम्मान जगाते थे। उनका खुदवाया तालाब आज भी नेवढ़िया में उनकी स्मृति का जीवित साक्षी है। विजयदशमी के अवसर पर उनके कोट पर लगने वाला मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं था; वह उस लोकनायक को स्मरण करने का सामूहिक संस्कार था जिसने गांव को स्वाभिमान का अर्थ सिखाया।

1857 : जब पूर्वांचल में जगी स्वतंत्रता की ज्वाला

31 मई 1857 को जौनपुर में गुप्त रूप से पोस्टर लगाए गए। देशी सैनिकों को हथियार जमा कराने के आदेश दिए गए, किंतु भीतर-ही-भीतर विद्रोह की तैयारी चल रही थी। 5 जून को बनारस से विद्रोह की खबर पहुंची और जौनपुर की धरती पर क्रांति की ज्वाला फैल गई। यही वह समय था जब संग्राम सिंह ने अपने साथियों–जयलाल तिवारी, जुगुल तिवारी, लखपति गिरी, हाथीराम और अनेक ग्रामीण वीरों–के साथ खुला विद्रोह कर दिया। उन्होंने अंग्रेजी चौकियों पर दबाव बनाया, प्रशासनिक गतिविधियों में बाधा पहुंचाई और ग्रामीण युवाओं को संगठित कर

प्रतिरोध की शक्ति में बदल दिया। उनके हमले केवल सैन्य कार्रवाई नहीं थे; वे अंग्रेजी शासन की वैधता को चुनौती देने वाले राजनीतिक संदेश थे।

मुझे कोई अंग्रेज गिरफ्तार नहीं कर सकता

संग्राम सिंह के व्यक्तित्व में अद्भुत आत्मविश्वास था। वे कहा करते थे–ह्वकोई अंग्रेज सिपाही मुझे गिरफ्तार नहीं कर सकता।ह्व यह वाक्य मात्र दंभ

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

नहीं था; यह औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध मानसिक स्वतंत्रता की उद्घोषणा थी। अंग्रेजों ने कई बार उन्हें पकड़ने के लिए अभियान चलाए। मुखबिर लगाए गए, गांवों की घेराबंदी हुई, जंगलों की तलाशी ली गई, किंतु वे हर बार बच निकले। लोककथाएं कहती हैं कि वे रातों-रात स्थान बदल देते थे। कभी साधु का वेश धारण करते, कभी किसान बन जाते, तो कभी जंगलों के रास्ते साथियों तक पहुंच जाते। अंग्रेजी शासन के लिए वे एक व्यक्ति कम और एक छाया अधिक बन गए थे।

नेवढ़िया से उठी प्रतिरोध की ध्वनि

पूर्वांचल के ग्रामीण समाज में संग्राम सिंह का प्रभाव असाधारण था। वे लोगों से कहते थे कि पराधीनता केवल राजनीतिक बंधन नहीं, बल्कि आत्मा की गुलामी है। उनके आह्वान पर अनेक ग्रामीण युवाओं ने हथियार उठाए। उस समय गांवों में समाचारपत्र नहीं पहुंचते थे; जनचेतना लोकगीतों, कथाओं और चौपालों से फैलती थी। संग्राम सिंह की वीरता स्वयं एक संदेश बन चुकी थी। उनकी टोली अंग्रेजी टुकड़ियों की गतिविधियों पर नजर रखती थी। प्रशासनिक अधिकारियों की आवाजाही, सैनिकों के मार्ग और राजस्व व्यवस्था की सूचनाएं ग्रामीण नेटवर्क के माध्यम से उन्हें मिलती थीं। यह स्थानीय प्रतिरोध की अत्यंत संगठित संरचना थी, जिसकी कल्पना अंग्रेज अधिकारी नहीं कर पा रहे थे।

जौनपुर : केवल जिला नहीं, प्रतिरोध की भूमि

संग्राम सिंह को समझना हो तो जौनपुर की सामूहिक चेतना को समझना होगा। 1857 में यह जनपद विद्रोह का उर्वर क्षेत्र बन चुका था। माता बादल चौहान ने अंग्रेजी सेना का सामना किया और अपने तेरह साथियों सहित फांसी पर चढ़ गए। बदलापुर के बाबू सल्तनत बहादुर सिंह ने भी अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह किया। उनके पुत्र ने कई मोर्चों पर संघर्ष किया और अंततः अंग्रेजों द्वारा गोली मार दिए गए। यह वातावरण बताता है कि संग्राम सिंह अकेले नहीं थे; वे उस व्यापक जनविद्रोह का प्रतिनिधित्व कर रहे थे जिसमें किसान, जमींदार, साधु, युवक और सामान्य ग्रामीण सभी शामिल थे।

हौज गांव की रक्तरंजित गाथा और संग्राम सिंह की प्रेरणा

जौनपुर-वाराणसी मार्ग पर स्थित हौज गांव की घटना 1857 के प्रतिरोध का महत्वपूर्ण अध्याय है। जमींदार बालदत्त और उनके साथियों ने अंग्रेजी सेना की टुकड़ी पर घात लगाकर हमला किया और दो दर्जन से अधिक अंग्रेज सिपाहियों को मार गिराया। बाद में विश्वासघात के कारण वे पकड़े गए; पंद्रह क्रांतिकारियों को फांसी और बालदत्त को काले पानी की सजा हुई। इतिहासकार मानते हैं कि ऐसे साहसिक प्रतिरोधों ने पूरे क्षेत्र में क्रांतिकारी चेतना को और तीव्र किया। संग्राम सिंह की गतिविधियों को समझने में हौज की यह घटना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे स्पष्ट होता है कि जौनपुर में विद्रोह आकस्मिक नहीं, बल्कि व्यापक जनसमर्थन से संचालित था।

अंग्रेजी अभिलेखों में भय का नाम

औपनिवेशिक शासन किसी भी स्थानीय नेता को तब तक गंभीरता से नहीं लेता था जब तक वह राजस्व, प्रशासन या सैन्य व्यवस्था को प्रभावित न कर दे। संग्राम सिंह ने तीनों को प्रभावित किया। उनकी सक्रियता के कारण अंग्रेज अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाने से भय होने लगा। मुखबिरों की संख्या बढ़ाई गई और संदिग्ध गांवों की निगरानी की गई। किंतु भय केवल अंग्रेजों में नहीं था; ग्रामीणों में भी सतर्कता थी। वे संग्राम सिंह की सूचना गुप्त रखते थे। यह जनविश्वास किसी भी क्रांतिकारी की सबसे बड़ी शक्ति होता है। अंग्रेज धन और दंड से लोगों को खरीदना चाहते थे, किंतु नेवढ़िया और आसपास के गांवों में संग्राम सिंह सम्मान और विश्वास के आधार पर जीवित थे।

शहादत का रहस्य : इतिहास की सबसे बड़ी पहेली

संग्राम सिंह के जीवन का सबसे रहस्यमय पक्ष उनकी मृत्यु है। कुछ लोककथाएं कहती हैं कि वे अंतिम समय तक संघर्ष करते रहे और किसी गुप्त स्थान पर वीरगति को प्राप्त हुए। कुछ कथाओं के अनुसार अंग्रेजों ने उनकी मृत्यु की सूचना दबा दी ताकि जनता में विद्रोह की नई लहर न उठे। कोई निश्चित दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। विडंबना यह है कि जिस व्यक्ति को अंग्रेज जीवित पकड़ नहीं सके, उसकी मृत्यु भी अंग्रेजी अभिलेखों की पकड़ से बाहर रही। यही कारण है कि वे इतिहास के पन्नों से अधिक लोकविश्वास में जीवित हैं। उनका रहस्य ही उनकी अमरता बन गया।

लोकस्मृति बनाम आधिकारिक इतिहास

आज भी नेवढ़िया के बुजुर्ग जब उनकी कथा सुनाते हैं तो उसमें केवल तथ्य नहीं होते; उसमें भावनाएं होती हैं। वे बताते हैं कि बागी संग्राम सिंह की हवेली के अवशेष लंबे समय तक लोगों को गर्व से भर देते थे। स्वतंत्रता दिवस पर वहां माल्यार्पण की परंपरा थी। बाद में कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ह्वबागी संग्राम सिंह मंचह्व और स्मृति स्तंभ का निर्माण कराया। समय के साथ यह परंपरा कमजोर पड़ी, किंतु स्मृति समाप्त नहीं हुई।

जौनपुर की स्वतंत्रता चेतना की लंबी यात्रा

1857 की ज्वाला बुझी नहीं; वह नए रूपों में आगे बढ़ती रही। 1885 में कांग्रेस की स्थापना के बाद जौनपुर में राजनीतिक चेतना का विस्तार हुआ। असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में इस जनपद ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई। दीप नारायण वर्मा, द्वारिका प्रसाद मौर्य, रामेश्वर प्रसाद सिंह और मुजतबा हुसैन जैसे नेताओं ने स्वतंत्रता संघर्ष को नई दिशा दी। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू का जौनपुर आगमन इस क्षेत्र की सक्रियता का प्रमाण था। इन आंदोलनों की जड़ें 1857 की उसी चेतना में थीं जिसे संग्राम सिंह जैसे वीरों ने सींचा था। उन्होंने लोगों को भय से मुक्ति दिलाई; बाद की पीढ़ियों ने उसी साहस को राजनीतिक आंदोलन में रूपांतरित किया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में जौनपुर की सड़कों पर तिरंगा फहराने के लिए जनता गोलियां खाने को तैयार थी। धनियामऊ पुल पर हुए संघर्ष में अनेक क्रांतिकारी शहीद हुए और उनकी स्मृति में आज भी मेला लगता है।

बागी संग्राम सिंह का सांस्कृतिक अर्थ

संग्राम सिंह का महत्व केवल राजनीतिक नहीं है। वे पूर्वांचल की लोकसंस्कृति में प्रतिरोध के प्रतीक हैं। लोकगीतों में उनका उल्लेख वीरता के साथ-साथ स्वाभिमान के रूप में होता है। ग्रामीण समाज उन्हें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा मानता है। वे बताते हैं कि सत्ता कितनी ही शक्तिशाली क्यों न हो, जनता का आत्मविश्वास उससे बड़ा होता है। उनकी कथा भारतीय ग्रामीण समाज की उस परंपरा को भी उजागर करती है जिसमें लोकनायक इतिहास की पुस्तकों से नहीं, जनता की स्मृति से जन्म लेते हैं।

आज की पीढ़ी के लिए प्रश्न

जब देश स्वतंत्रता का अमृतकाल मना रहा है, तब यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या हमने अपने स्थानीय नायकों को पर्याप्त सम्मान दिया है? नेवढ़िया में एक समुचित संग्रहालय क्यों नहीं है? विद्यालयों में संग्राम सिंह पर पाठ क्यों नहीं पढ़ाया जाता? उनके नाम पर शोध संस्थान, स्मारक और वार्षिक व्याख्यानमाला क्यों नहीं स्थापित की गई? किसी राष्ट्र की स्मृति तभी पूर्ण होती है जब उसमें महानगरों के साथ गांवों के नायक भी शामिल हों। संग्राम सिंह को इतिहास में उचित स्थान देना केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की व्यापकता को स्वीकार करना है।

वह बागी आज भी जीवित है

रात गहरी हो सकती है, परंतु इतिहास की कुछ मशालें कभी नहीं बुझतीं। नेवढ़िया की पगडंडियों पर चलने वाला वह बागी आज भी जौनपुर की हवा में महसूस किया जा सकता है। उसका स्वर आज भी सुनाई देता है–स्वाभिमान से बड़ा कोई राज्य नहीं, स्वतंत्रता से बड़ा कोई धर्म नहीं। बागी संग्राम सिंह का जीवन हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता केवल प्राप्त की हुई वस्तु नहीं, बल्कि निरंतर जागृत रखी जाने वाली चेतना है। अंग्रेज उन्हें पकड़ नहीं सके; समय उन्हें मिटा नहीं सका; और जनता उन्हें भूल नहीं सकी। यही किसी लोकनायक की सबसे बड़ी विजय है। जौनपुर की मिट्टी आज भी गर्व से कहती है–ह्वयह वही धरती है जिसने बागी संग्राम सिंह को जन्म दिया था।ह्व उनकी गाथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उस अमर अध्याय की तरह है जिसे जितनी बार पढ़ा जाए, उतनी बार आत्मा में स्वाधीनता की नई लौ प्रज्वलित हो उठती है।

सिख सिपाहियों का विद्रोह: जौनपुर की पहली चिंगारी

जौनपुर में अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध असंतोष 1857 से पहले ही आकार लेने लगा था। लेफ्टिनेंट मारा के अधीन तैनात सिख रेजिमेंट ने बनारस छावनी की घटनाओं के बाद विद्रोह कर दिया। उन्होंने अपने अंग्रेज अधिकारी और संयुक्त मजिस्ट्रेट क्यूपेज की हत्या कर खजाना लूट लिया। यह घटना जौनपुर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध खुले विद्रोह की पहली बड़ी चिंगारी थी।

पुलिसकर्मी बनकर बुजुर्गों से सोने के आभूषण ठगने वाला आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर। वसई में बुजुर्ग नागरिकों को पुलिसकर्मी बताकर उनके सोने के आभूषण ठगने वाले गिरोह के खिलाफ मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच सेल-2 वसई ने बड़ी कार्रवाई की है। अछोले पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले की समानांतर जांच करते हुए क्राइम ब्रांच ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में इस गिरोह में शामिल दो अन्य आरोपियों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, 14 जुलाई 2026 को 69 वर्षीय शिकायतकर्ता शरद लक्ष्मण दलवी सुबह करीब 8:30 से 8:45 बजे के बीच नालासोपारा पूर्व स्थित अलकापुरी रोड पर चाय पीने जा रहे थे। इसी दौरान तीन अज्ञात आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने पुलिस होने का विश्वास दिलाकर उनकी सोने की चेन, अंगूठी, कंगन सहित लाखों रुपये के आभूषण अपने कब्जे में ले लिए और मौके से फरार हो गए। इस संबंध में 15 जुलाई 2026 को अछोले पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 373/2026 दर्ज किया गया था। सीसीटीवी फुटेज से आरोपी तक पहुंची पुलिस पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के निर्देश पर पुलिस अधिकारियों ने पुलिस का रूप धारण कर ठगी करने वाले आरोपियों के खिलाफ समानांतर जांच शुरू की। क्राइम ब्रांच सेल-2 की टीम ने घटनास्थल तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान आरोपियों की गतिविधियों का सुराग अंबिवली, कल्याण क्षेत्र में मिला। सीसीटीवी फुटेज से प्राप्त तस्वीरों के आधार पर पुलिस के गुप्त सूचना तंत्र को सक्रिय किया गया। सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान जहीर अब्बास काजी उर्फ रब्बाद (41) के रूप में हुई। पुलिस टीम ने उसे 2 अगस्त 2026 को शाम करीब 4 बजे जगगीभाई चाल, बनेली गांव, टिटवाला से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों के नाम उजागर गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ करने पर इस अपराध में शामिल अन्य दो आरोपियों के नाम सामने आए। पुलिस के मुताबिक आरोपी हैं–

1. कासिम हैदर सय्यद उर्फ कासिम ईरानी
2. निसार मिस्कीन सैयद ईरानी
3. सलमान गाजी उर्फ बादशाह ईरानी, निवासी अंबिवली, तालुका कल्याण, जिला ठाणे। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों के खिलाफ पुलिसकर्मी बनकर ठगी करने तथा वाहन चोरी से जुड़े कई मामले विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज हैं। छह ठगी और दो वाहन चोरी के मामलों का खुलासा पुलिस जांच के दौरान अछोले, विरार, तुलिंज, उल्हासनगर सहित विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज मामलों से आरोपियों का संबंध सामने आया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों पर पुलिस अधिकारी का रूप धारण कर ठगी करने के छह तथा वाहन चोरी के दो अपराध दर्ज पाए गए हैं। इन मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 तोला सोने की छड़ें तथा दो मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश तथा उनके द्वारा किए गए अन्य अपराधों की जांच कर रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई किया गया यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिंत्रे, पुलिस उपायुक्त संदीप डोईफोडे तथा अपराध शाखा के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। क्राइम ब्रांच सेल-2 वसई के पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे, सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील पवार, पुलिस उपनिरीक्षक अजीत गीते, संतोष घाडगे, मुकेश पवार, रवींद्र पवार, मनोज मोरे, चंदन मोरे, प्रफुल्ल पाटील, सचिन पाटील, जगदीश गोवारी, दादा अडके, राहुल करपे, अनिल साबले, अक्षय बांगर तथा साइबर पुलिस टीम के संतोष चव्हाण सहित पुलिसकर्मियों ने कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों से अपील की है कि कोई व्यक्ति पुलिसकर्मी बनकर आभूषण उतारने या अपने कब्जे में लेने का दबाव बनाए तो बिना सत्यापन के किसी को भी सोना या अन्य कीमती सामान न सौंपें तथा तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचना दें।

नमस्ते योजना से कचरा बीनने वालों का होगा सशक्तीकरण

पालघर(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा वेचक को सुरक्षित, सम्मानजनक और सामाजिक रूप से सशक्त जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पालघर जिला परिषद के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) विभाग की ओर से नमस्ते योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। योजना के तहत जिले के पात्र कचरा वेचकों की पहचान एवं पंजीकरण के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष अभियान चलाया जायेगा। योजना का मुख्य उद्देश्य कचरा वेचकों की पहचान सुनिश्चित कर उन्हें सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना, उनके कार्य से जुड़े जोखिमों को कम करना तथा सुरक्षित एवं सम्मानजनक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। पंजीकृत कचरा वेचकों को आधिकारिक पहचान पत्र, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, कौशल विकास प्रशिक्षण तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जायेगा। पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने जिले की सभी ग्राम पंचायतों से नमस्ते योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और अपने-अपने कार्यक्षेत्र में मौजूद सभी पात्र कचरा वेचकों का 100 प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने का आहवान किया है। उन्होंने कहा कि कचरा वेचकों का पंजीकरण केवल सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में भी यह महत्वपूर्ण कदम है। जिले के पात्र कचरा वेचकों से अपील की गई है कि वे अपने संबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर जल्द से जल्द अपना पंजीकरण करायें। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड, आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर, बैंक खाता का विवरण तथा उपलब्ध होने पर ई-श्रम कार्ड, सदस्यता कार्ड या अन्य सरकारी पहचान पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने इस्कॉन पटना की फूड फॉर लाइफ पहल को समर्पित भोजन वितरण वाहन प्रदान किया

मुंबई/पटना। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंकों में से एक तथा एक दशक से अधिक समय में यूनिवर्सल बैंक में परिवर्तन हेतु सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त करने वाले पहले बैंकों में शामिल

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) की सीएसआर शाखा एयू फाउंडेशन ने इस्कॉन पटना की फूड फॉर लाइफ पहल का समर्थन देते हुए एक समर्पित भोजन वितरण वाहन उपलब्ध कराया है। यह वाहन बिहार के विभिन्न समुदायों तक पौष्टिक एवं पवित्र भोजन (प्रसादम) की पहुंच को और सुदृढ़ करने तथा जरूरतमंद लोगों तक नियमित रूप से भोजन पहुंचाने में सहायक होगा।

इस पहल का उद्देश्य वंचित परिवारों, स्कूली बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों तक पौष्टिक भोजन की पहुँच को सशक्त बनाना है। यह समर्पित वाहन दूरस्थ एवं अल्पसेवित क्षेत्रों में अंतिम छोर तक भोजन वितरण को अधिक प्रभावी, समयबद्ध और व्यापक बनाने में सहायक होगा।

गणेशोत्सव के माध्यम से दें ड्रग्स फ्री मुंबई का संदेश : मंगल प्रभात लोढ़ा

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में शुरू किए गए ड्रग्स फ्री मुंबई अभियान का संदेश गणेशोत्सव के माध्यम से समाज तक पहुंचाया जाए। मलबार हिल विधानसभा क्षेत्र के सभी गणेशोत्सव मंडल इस वर्ष गणेशोत्सव में अपने पंडालों की सजावट और झांकियों को ड्रग्स फ्री मुंबई अभियान की थीम के अनुरूप तैयार करें और समाज जागरूकता को प्राथमिकता दें, ऐसा आह्वान कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक गणेशोत्सव की समाज जागरूकता की एक समृद्ध परंपरा रही है। इसलिए इस गणेशोत्सव में मंडल अपने पंडालों, झांकियों अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को ड्रग्स की समस्या के खिलाफ एकजुट करें। इससे हमारे युवा अधिक जागरूक होंगे और बड़ी संख्या में ड्रग्स फ्री मुंबई की शपथ लेंगे।

नाना चौक स्थित महानगरपालिका के डी विभाग कार्यालय की दूसरी मंजिल के सभागृह में मंगलवार को मलबार हिल विधानसभा क्षेत्र के गणेशोत्सव मंडलों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में 70 से अधिक गणेशोत्सव मंडलों के पदाधिकारी एवं समन्वय समिति के प्रतिनिधि, महानगरपालिका अधिकारी, पुलिस प्रशासन, यातायात पुलिस, दक्षिण मुंबई के नगरसेवक, मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, अग्निशमन दल तथा बेस्ट उपक्रम के अधिकारी उपस्थित थे।

गणेशोत्सव मंडलों को महानगरपालिका, पुलिस और

यातायात पुलिस की विभिन्न अनुमतियां वन विंडो प्रणाली के माध्यम से मिलें, इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्यवाही करें, ऐसे निर्देश लोढ़ा ने दिए। साथ ही गणेशोत्सव के दौरान नागरिकों और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें, ऐसे निर्देश भी उन्होंने दिए। समुद्र अथवा बाणगंगा में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की मांग गणेशोत्सव मंडलों द्वारा की गई है और इस संबंध में अदालत में भी सुनवाई चल रही है। इस मांग के पीछे श्रद्धालुओं की अपने बप्पा का भव्य विसर्जन करने की भावना है। इस भावना का सम्मान करते हुए उसे पूरा करने के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे, ऐसा लोढ़ा ने कहा। कृत्रिम तालाब भी भव्य स्वरूप में बनाए जा सकते हैं, इस संबंध में अध्ययन करने के निर्देश लोढ़ा ने महानगरपालिका अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि अगस्त क्रांति मैदान में 5 से 6 फीट ऊंचाई वाला विस्तृत कृत्रिम तालाब बनाया जाए। साथ ही अन्य संभावित विसर्जन स्थलों का भी निरीक्षण कर वहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। खेतवाड़ी में गणेशोत्सव के दौरान देशभर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। उनके लिए आवश्यक खाने-पीने की व्यवस्था की जाए, ऐसा भी लोढ़ा ने कहा। गिरगांव चौपाटी पर निर्माल्य समय पर उठाने के लिए महानगरपालिका की ओर से दिन में दो बार कचरा गाड़ी उपलब्ध कराई जाए। पर्यावरण को नुकसान से बचाने के लिए समुद्र में विसर्जन के बाद प्रतिमाओं का तत्काल निपटारा किया जाए, ऐसे निर्देश भी बैठक में दिए गए। गणेशोत्सव मंडलों के आसपास बड़ी संख्या में वाहन खड़े किए जाते हैं। इसलिए, आवश्यक स्थानों पर नो पार्किंग के बोर्ड लगाए जाएं।

साथ ही गणेश मंडलों के परिसर में पार्क किए गए वाहनों पर गणेशोत्सव के दस दिनों के दौरान यातायात पुलिस द्वारा दंडात्मक कार्रवाई न की जाए, ऐसी मांग गणेशोत्सव मंडलों ने बैठक में की। गिरगांव चौपाटी और समुद्र तट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यकता के अनुसार लाइफगार्ड की संख्या बढ़ाई जाएगी। शाडू की मूर्तियों के विसर्जन के लिए गिरगांव चौपाटी पर दो से तीन लोगों को अनुमति देने के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही की जाए, ऐसे निर्देश दिए गए।

टीईटी पेपर लीक मामले में सोलापुर से 16वां आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी। महाराष्ट्र समेत देशभर में चर्चित टीईटी परीक्षा पेपर लीक मामले में भिवंडी पुलिस ने सोलापुर से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रकाश पवार के रूप में हुई है। बताया गया है कि पवार सोलापुर में पुलिस भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रशिक्षण का संस्थान चलाता है। इस गिरफ्तारी के साथ ही मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 16 हो गई है। टीईटी पेपर लीक मामले में इससे पहले उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा से 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में यह पेपर किसे बेचने की तैयारी थी, इसका खुलासा अब तक नहीं हुआ था। प्रकाश पवार की गिरफ्तारी के बाद मामले के तार महाराष्ट्र से भी जुड़े होने की बात सामने आई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों को प्रकाश पवार ने कुछ विद्यार्थियों के दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। ये दस्तावेज किस उद्देश्य से दिए गए थे और पवार का इस मामले में शामिल अन्य लोगों से क्या संबंध है, इसकी जांच पुलिस कर रही है। इस मामले में अंतिम चरण में मुख्य सूत्रधार बिजेंद्र गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उससे हुई पूछताछ के दौरान प्रकाश पवार का नाम सामने आया। अब पुलिस महाराष्ट्र में इस मामले से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है। इस बीच, मंगलवार 11 अगस्त को आरोपी प्रकाश पवार को भिवंडी अतिरिक्त सत्र न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने उसे 15 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र से जुड़े अन्य आरोपियों और पूरे नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

97.91 लाख रुपये के नकली नोटों के साथ आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई क्राइम ब्रांच सेल-2 ने नकली भारतीय मुद्रा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 97 लाख 91 हजार रुपये मूल्य के नकली भारतीय नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से कुल 19,582 नकली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में नकली नोट आरोपी को कहां से मिले और इनके निर्माण एवं वितरण के पीछे कौन लोग शामिल हैं। गुप्त सूचना के आधार पर बिछाया जाल पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त 2026 को अपराध जांच शाखा सेल-2, वसई कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी आपराधिक निगरानी एवं गश्त पर थे। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति सफेद रंग की किआ सेल्टोस कार क्रमांक MH 48 BT 8686 से शिरसाड फाटा की

ओर आने वाला है। उसके पास बड़ी मात्रा में नकली भारतीय नोट हैं, जिन्हें असली मुद्रा से बदलने की तैयारी है। गुप्त सूचना की पुष्टि के बाद क्राइम ब्रांच सेल-2 की टीम ने मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 48 पर मुंबई की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर, प्रसाद ऑटो पार्ट्स के सामने शिरसाड गांव में जाल बिछाया। कुछ समय बाद संदिग्ध कार वहां पहुंची। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रदीप आत्माराम पाटिल (51) को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 19,582 नकली भारतीय नोट बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत 97,91,000 रुपये बताई गई है। मांडवी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

इस मामले में मांडवी पुलिस स्टेशन में 11 अगस्त 2026 को भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं 178, 179, 180, 182 तथा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी का नाम-पताः प्रदीप आत्माराम पाटिल, उम्र 51 वर्ष, निवासी काशीदकोपर, पोस्ट-मांडवी, तालुका वसई, जिला पालघर। नकली नोटों का स्रोत कौन? जांच में जुटी क्राइम ब्रांच पुलिस के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आरोपी प्रदीप पाटिल के पास इतनी बड़ी मात्रा में नकली भारतीय नोट कहां से आए? इन नोटों का निर्माण कहां किया गया था? इनके पीछे कौन व्यक्ति या गिरोह काम कर रहा है?

साथ ही, नकली नोटों की खरीद-बिक्री और निर्माण में आरोपी के अन्य कौन-कौन से साथी शामिल हैं, इसकी भी जांच की जा रही है। क्राइम ब्रांच सेल-2, वसई की टीम इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

पुलिस इस बात का भी पता लगाने में जुटी है कि कहीं इस मामले के तार किसी अंतरराज्यीय नकली मुद्रा गिरोह से तो नहीं जुड़े हैं।

आध्यात्मिकता के साथ शिक्षा को बढ़ावा दे रही मानव उत्थान सेवा समिति

भिवंडी। परमपूज्य श्री सतपाल जी महाराज की प्रेरणा व श्री विभु जी महाराज के दिशा-निर्देश तथा परम आराध्य माता श्री अमृता जी के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा आध्यात्मिक सेवा के साथ-साथ शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में विशेष पहल की जा रही है। समिति की ओर से मिशन एजुकेशन के तहत 1 से 10 अगस्त तक पूरे भारतवर्ष में जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरित की जा रही है। इसी सेवा अभियान की कड़ी में भिवंडी-मुंबई आश्रम की ओर से जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। आश्रम प्रभारी महात्मा

इशिता बाई जी एवं महात्मा रिंकी बाई जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस सेवा कार्य का उद्देश्य आर्थिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा से वंचित अथवा आवश्यक शैक्षणिक सामग्री की कमी से जूझ रहे बच्चों को पढ़ाई के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना रहा। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों को आवश्यक पाठ्य सामग्री प्रदान की गई। इनमें जिला परिषद प्राथमिक शाला, मिठपाड़ा, केंद्र कांबे, भिवंडी मनपा प्राथमिक शिक्षण विभाग के तेलुगु माध्यम विद्यालय तथा हिंदी माध्यम विद्यालय क्रमांक 36 और राधाकृष्ण अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के प्राथमिक एवं उच्च विद्यालय के विद्यार्थी शामिल रहे। मानव उत्थान सेवा समिति का मानना है कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आध्यात्मिक चेतना के साथ शिक्षा का प्रसार भी अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा बच्चों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर देती है, वहीं आध्यात्मिक संस्कार उन्हें मानवीय मूल्यों, सेवा, सद्भाव और जिम्मेदारी का मार्ग दिखाते हैं।

रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से आंगनवाड़ियों व स्कूलों को मिली विकास की नई दिशा

50 करियर कार्ड के खेल से विद्यार्थियों को भविष्य के अवसरों की पहचान

वाकसई ज्ञानग्राम में 45 विद्यार्थियों को स्कूल के बाद अतिरिक्त शिक्षा

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के आवाहन को सकारात्मक प्रतिसाद देते हुए रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से पालघर तहसील की आंगनवाड़ियों और जिला परिषद स्कूलों के विकास को नई गति मिली है। बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ, आकर्षक और बालस्नेही वातावरण उपलब्ध कराने के साथ ही विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ भविष्य की संभावनाओं और करियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराने के लिए आधारभूत सुविधाओं तथा अभिनव शैक्षणिक उपक्रमों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग व्यंकटराव हुंडेकर के समन्वय तथा रिलायंस फाउंडेशन के योगेश जोशी और प्रोजेक्ट मैनेजर सोहम पाटील के मार्गदर्शन में इन विभिन्न उपक्रमों को अमल में लाया जा रहा है। पालघर क्लस्टर के कमारे, वाकसई, मायकोप, केलवे और देवीपाड़ा क्षेत्र की सात आंगनवाड़ियों की मरम्मत एवं नवीनीकरण का कार्य किया गया है। वॉल पेंटिंग के माध्यम से आंगनवाड़ियों को आकर्षक रूप दिया गया, जबकि पानी रिसाव की समस्या का समाधान वॉटरप्रूफिंग के जरिए किया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत परिसर की साफ-सफाई भी की गई। सभी सात

आंगनवाड़ियों के परिसर में परसबाग विकसित कर सात से दस प्रकार की सब्जियों की खेती की गई है। इससे बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने में भी मदद मिल रही है।

बच्चों के पोषण के साथ माताओं के स्वास्थ्य को भी इस अभियान में प्राथमिकता दी गई है। रिलायंस फाउंडेशन की पहल पर करीब 50 माताओं के लिए न्यूट्रिशन वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें पौष्टिक आहार का महत्व, आहार नियोजन तथा आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। सातवें से नौवें माह की गर्भवती महिलाओं को प्रोटीन किट का वितरण भी किया गया। रिलायंस फाउंडेशन के कहानी, कला, खुशी उपक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न करियर क्षेत्रों की जानकारी देने का अभिनव प्रयोग शुरू किया गया है। कमारे सहित पालघर तहसील के विद्यार्थियों के लिए 50 कार्ड का करियर गेम उपलब्ध कराया गया है। प्रत्येक कार्ड पर एक विशेष करियर क्षेत्र से संबंधित जानकारी दी गई है। खेल के माध्यम से विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र के लिए आवश्यक शिक्षा, कौशल और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी मिलती है। यह उपक्रम करीब 3,000 विद्यार्थियों तक पहुंच चुका है। खेल-खेल में अपनी रुचि और क्षमता पहचानने का अवसर मिलने से विद्यार्थियों में इस अभिनव प्रयोग को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। विद्यार्थियों के स्कूल के बाद के समय का उपयोग उनकी शैक्षणिक प्रगति के लिए करने की दिशा में वाकसई ज्ञानग्राम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वाकसई स्थित समाज मंदिर में कक्षा आठवीं से दसवीं तक के 45 विद्यार्थी प्रतिदिन शाम छह बजे के बाद करीब दो से ढाई घंटे अतिरिक्त शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। रिलायंस फाउंडेशन की ओर से शिक्षकों की नियुक्ति कर विद्यार्थियों को गणित, अंग्रेजी और सामान्य विज्ञान विषयों का मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर द्वारा आयोजित शुक्रिया समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के इंस्टॉलिंग प्रेसिडेंट 2025-26 रोटेरियन राम नारायण गोयल एवं फर्स्ट लेडी श्रीमती सविता गोयल के नेतृत्व में सम्पन्न सफल एवं यादगार कार्यकाल के उपलक्ष्य में रविवार 9 अगस्त 2026 को शुक्रिया समारोह का आयोजन उत्साह, उमंग एवं गरिमापूर्ण वातावरण में ब्रेक ओह्न क्लॉक कैफेटेरिया में किया गया।

जुलाई 2025 से जून 2026 तक के अपने कार्यकाल को यादगार बताते हुए रोटेरियन राम नारायण गोयल ने कहा कि इस कार्यकाल की सफलता किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे रोटरी परिवार की सामूहिक उपलब्धि है। उन्होंने रोटरी सदस्यों, परिवारजनों, सी एस आर सहयोगियों, पत्रकार मित्रों एवं सभी शुभचिंतकों के सहयोग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। इस सफल यादगार कार्यकाल के दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, युवा सेवा, रक्तदान, टीबी मरीजों के पोषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 50 सेवा प्रकल्प आयोजित किये गये। क्लब को जिला स्तर पर उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए अनेक सम्मान प्राप्त हुए, जिसमें डायमंड ट्रॉफी भी शामिल रही। समारोह के दौरान पूरे कार्यकाल में सक्रिय सहयोग एवं योगदान देने वाले सभी माननीय रोटरी सदस्यों एवं सहयोगियों को ट्रॉफी, दुपट्टा एवं पुष्प देकर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करते हुए सदस्यों के चेहरे पर खुशी एवं गर्व की भावना दिखाई दी। इस अवसर पर उनके योगदान को क्लब की सफलता की महत्वपूर्ण कड़ी बताया गया।

विशेष रूप से क्लब के यूथ डायरेक्टर एवं पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. पराग कुलकर्णी को युवाओं के लिए वर्षभर में किये गये अनेक उल्लेखनीय सेवा एवं युवा विकास प्रकल्पों के लिए रोटरी रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके समर्पण, सक्रियता एवं युवा सेवा के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों की उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। सभी परियोजनाओं में पास्ट प्रेसिडेंट राकेश मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पालघर जिला परिषद में रानभाजी महोत्सव आयोजित, रानभाजी व्यंजन पुस्तिका का हुआ अनावरण

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के पहाड़ी एवं प्राकृतिक क्षेत्रों में बरसात के मौसम में बड़ी मात्रा में उपलब्ध होने वाली पारंपरिक रानभाजियों के पौष्टिक एवं औषधीय महत्व को आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला परिषद के कृषि विभाग की ओर से मंगलवार 11 अगस्त 2026 को जिला परिषद परिसर में रानभाजी महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव में विभिन्न क्षेत्रों के किसानों एवं महिला बचत समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महोत्सव का मुख्य उद्देश्य रानभाजियों में पाये जाने वाले पोषक तत्वों एवं औषधीय गुणों के प्रति नागरिकों में जागरूकता पैदा करना तथा महिला बचत समूहों के माध्यम से रानभाजियों के प्रचार, प्रसार और बिक्री को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर रानभाजियों में मौजूद कार्बोहाईड्रेट, प्रोटीन, विटामिन, रेशे, वसा एवं विभिन्न खनिजों के महत्व की जानकारी भी दी गई।

कृषि विभाग एवं पुकार संस्था के पंचम प्रकल्प के अंतर्गत तैयार की गई रानभाजी पाककृती पुस्तिका का अनावरण मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) इजाज अहमद शरीफ मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रामपंचायत) अशोक पाटील सहित जिला परिषद के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने

रानभाजियों के स्वास्थ्य संबंधी महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनमें मौजूद पोषक तत्व और औषधीय गुण शरीर के लिए बेहद उपयोगी हैं। नागरिकों को अपने दैनिक आहार में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध इन पौष्टिक रानभाजियों को शामिल करना चाहिए। इससे स्वास्थ्य को बेहतर बनाये रखने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी मदद मिल सकती है। महोत्सव में पालघर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 8 से 10 किसान एवं महिला बचत समूहों ने भाग लिया। यहां कटुर्ली, कुर्डू, नालभाजी, सहजन के पत्ते, शतावरी, टाकला, शिंद, बांस की कोंपलें, फूल माठ, अंबाड़ी, आगाड़ा, अलू कंद, कोलीभाजी, करवंद, विभिन्न कंद, उंबर और शेवली सहित अनेक पारंपरिक रानभाजियों का प्रदर्शन किया गया। इन रानभाजियों से तैयार किये गये विभिन्न स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजनों को भी प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शन के साथ ही रानभाजियों और उनसे तैयार उत्पादों की बिक्री की भी व्यवस्था की गई थी। प्रत्येक महिला बचत समूह ने लगभग 700 से 1,200 रुपये तक की बिक्री की, जबकि महोत्सव के दौरान एक दिन में कुल लगभग 5 से 6 हजार रुपये की रानभाजियों एवं उत्पादों की बिक्री हुई। इससे महिला बचत समूहों को स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से आय का नया अवसर उपलब्ध कराने को भी प्रोत्साहन मिला। पालघर जिले के प्राकृतिक अधिवास में उपलब्ध दुर्लभ, पौष्टिक एवं औषधीय गुणों वाली रानभाजियों का महत्व नागरिकों तक पहुंचाने के साथ ही महिला बचत समूहों को उनके उत्पादों की बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कराने में यह महोत्सव महत्वपूर्ण साबित हुआ।

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हा. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

फर्जी व्यक्ति खड़ा कर कराया जमीन का बैनामा

3.50 लाख की धोखाधड़ी का खुलासा, दो गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। कप्तानगंज थाना क्षेत्र में जमीन का फर्जी बैनामा कराने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि जमीन के वास्तविक मालिक गोविंद पुत्र झूरी की जगह दूसरे व्यक्ति को खड़ा कराकर फोटो, आधार-पैन और मोबाइल ओटीपी के जरिए सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कराते हुए बैनामा कराया गया।

पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त 2026 को हूँसेपुर सनूप निवासी एक महिला ने कप्तानगंज थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनके जेठ संजय सिंह से ग्राम मादेपुर निवासी गोविंद पुत्र झूरी की पत्नी और प्रेमा पत्नी रोहित ने जमीन बेचने की बात कही थी। बताया गया कि बच्चे के इलाज समेत अन्य आवश्यकताओं के लिए तत्काल पैसों की जरूरत है।

आरोपियों की बात पर जमीन के बदले तय 3.50 लाख रुपये गोविंद पुत्र झूरी के बैंक खाते में जमा कराए गए, जबकि कुछ रकम नकद भी दिए जाने की बात सामने आई। इसके बाद बैनामा कराने के लिए तीन दिन का समय मांगा गया।

पुलिस का कहना है कि बैनामा के दौरान वास्तविक गोविंद की जगह दूसरे व्यक्ति को खड़ा कर दिया गया। उसकी फोटो लगवाकर बैनामा की प्रक्रिया पूरी कराई गई। इस दौरान आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से आवश्यक सत्यापन भी कराया गया।

बाद में शिकायतकर्ता को जानकारी हुई कि वास्तविक जमीन मालिक की जगह फर्जी व्यक्ति खड़ा कराकर कथित आपराधिक षड्यंत्र के तहत जमीन का बैनामा कराया गया है। तहरीर के आधार पर कप्तानगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

विवेचना के दौरान सत्यम विश्वकर्मा पुत्र विश्वकर्मा, निवासी खोजापुर, थाना सिधारी का नाम सामने आया। इसके बाद उपनिरीक्षक रमेश चन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 11 अगस्त 2026 को कार्रवाई करते हुए प्रेमा पत्नी रोहित निवासी मादेपुर और सत्यम विश्वकर्मा को बूढ़नपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है। मामले में फर्जी व्यक्ति की पहचान और बैनामा कराने में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

दुद्धी में बीजेपी ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

हाथों में तिरंगा लेकर गूंजे देशभक्ति के नारे, दिखा राष्ट्रभक्ति का उत्साह

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी में स्वतंत्रता दिवस के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर 11 अगस्त को भाजपा मंडल दुद्धी के द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। घर-घर तिरंगा पहुंचाने और लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।रामलीला मैदान से शुरू हुई यात्रा संकट मोचन मन्दिर होते हुए काली मन्दिर तिराहे से वापस रामलीला मैदान पर आकर समाप्त हुई पहुंची। रास्तेभर हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों से पूरा इलाका राष्ट्रभक्ति के रंग में नजर आया। यात्रा की अगुवाई दुद्धी विधानसभा निवर्तमान प्रत्यासी श्रवण सिंह गोंड़ दुद्धी मण्डल प्रभारी विशाल पांडे नगर पंचायत चेयरमैन कमलेश मोहन समेत भाजपा के अन्य नेताओं ने की। इस दौरान नंन्हे मुन्ने बच्चों एवं कार्यकताओं तथा अन्य लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारे वंदेमातरम के नारे लगाए इस अवसर पर श्रवण सिंह गोंड़ कहा कि देश की आजादी के लिए वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनके बलिदान और संघर्ष को याद करते हुए तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष दीपक शाह व तिरंगा यात्रा मण्डल संयोजक मनीष जायसवाल ने बतलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद मोदी जी के आवाहन पर विगत कई वर्षों से तिरंगा यात्रा प्रत्येक गांव शहर में निकाली जा रही है उसी क्रम में आज दुद्धी मण्डल में भी तिरंगा यात्रा निकाली गई है इसे घर-घर पहुंचाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम और वीरों के बलिदान से परिचित कराना भी है, ताकि युवा मातृभूमि के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।इस अवसर पर मुख्यरूप से दिलाप पांडे सुमित सोनी पंकज अग्रहरि बुल्लू जितेन्द्र चन्द्रवँशी राजेश्वर श्रीवास्तव प्रेमनारायण मोनू सिंह धीरज जायसवाल धनंजय रावत अंशुमान रॉय हिमांशु चौरसिया अजय चंद्रवंशी धर्मेंद्र पाल आनंद अग्रहरि मोहित अग्रहरि निरंजन गुप्ता विकाश सोनी अनुरोध आमेश सिंह सत्यम कश्यप प्रवीण जायसवाल गौरव अग्रहरि सहित नगरवासी मौजूद रहें।

युवती के अपहरण व छेड़खानी के आरोप में दो सिपाही जेल भेजे गए, डीआईजी ने कसया थाने में की पूछताछ

कुशीनगर (उत्तरशक्ति)। युवती के अपहरण और छेड़खानी के आरोप में गिरफ्तार कसया थाने में तैनात दो सिपाही उमाशंकर यादव और महेंद्र यादव को बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया। इससे पहले दोनों का कसया सीएचसी में स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी गोरखपुर एस. चनप्पा देर शाम कसया थाने पहुंचे। उन्होंने एसपी केशव कुमार, सीओ सिटी राकेश प्रताप सिंह और कसया सीओ डॉ. अजय कुमार सिंह से घटना की पूरी जानकारी ली। डीआईजी करीब ढाई घंटे तक थाने में मौजूद रहे और पुलिस द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों की भी समीक्षा की।

पुलिस घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, व्हाट्सऐप कॉल डिटेल, मोबाइल लोकेशन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कर रही है। पीड़ित युवती और ढाबा संचालक से भी पुलिस ने पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई है।

बताया गया कि सोमवार देर रात दोनों सिपाहियों का ढाबा संचालक से विवाद हुआ था। आरोप है कि दोनों सिपाही उसके साथ मारपीट कर रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली दो सगी बहनें मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि सिपाहियों ने बड़ी बहन को जबरन स्कॉर्पियो में बैठा लिया और गोरखपुर की ओर ले गए।

पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि हाईवे पर चलती स्कॉर्पियो में सिपाहियों ने उसके साथ छेड़खानी और आपत्तिजनक हरकत की। शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों सिपाहियों को गिरफ्तार कर लिया।

बताया जा रहा है कि दोनों बहनें बिहार के सीवान जिले की रहने वाली हैं और कसया में किराए के कमरे में रहकर ब्यूटी पार्लर चलाती हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल, लोकेशन और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

HPV वैक्सीन से सुरक्षित होगा बेटियों का भविष्य, जागरूकता से टलेगा सर्वाइकल कैंसर का खतरा

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 'आनंदी मां–एक जीवन बचाओ अभियान' एवं 'कैंसर मुक्त भारत यात्रा' के तहत फरीदुल हक मेमोरियल डिग्री कॉलेज में छात्राओं के लिए HPV संक्रमण एवं सर्वाइकल कैंसर जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को HPV संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर के कारण, लक्षण, जांच, उपचार और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

जिला मुख्यालय से पहुंचीं संस्था की पदाधिकारी एवं मुख्य अतिथि चिकित्सक डॉ. संध्या विजय सिंह ने कहा कि जागरूकता, समय पर जांच और उचित वैक्सीनेशन के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) का संक्रमण कई बार बिना किसी स्पष्ट लक्षण के भी शरीर में मौजूद रह सकता है। इसके कुछ प्रकार लंबे समय तक बने रहने पर सर्वाइकल कैंसर का कारण बन सकते हैं। उन्होंने छात्राओं को असामान्य रक्तस्राव, असामान्य योनि स्राव अथवा शरीर में किसी अन्य संदिग्ध बदलाव को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी। साथ ही Pap Smear और HPV Test जैसी स्क्रीनिंग जांचों तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व को समझाया।

वैक्सीनेशन को लेकर किया जागरूक: डॉ. संध्या विजय सिंह ने कहा कि कैंसर से बचाव की शुरूआत जागरूकता से होती है और HPV वैक्सीनेशन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गोष्ठी में 9 से 26 वर्ष की किशोरियों एवं युवतियों को HPV वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया गया। छात्राओं को वैक्सीन की उपलब्धता, इसे लगवाने की प्रक्रिया और वैक्सीनेशन कोर्स पूरा करने से जुड़ी जानकारी भी दी गई।

विशिष्ट अतिथि सूर्य हॉस्पिटल की निदेशक एवं जेसीआई शाहगंज शक्ति की पूर्व अध्यक्ष डॉ. रुचि मिश्रा ने कहा कि किशोरियों और युवतियों को अपने स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी खुलकर हासिल करनी चाहिए। शरीर में होने वाले किसी भी असामान्य बदलाव को छिपाने या नजरअंदाज करने के बजाय समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। सही उम्र में सही जानकारी और समय पर उठाया गया सावधानी का कदम भविष्य में गंभीर बीमारी से बचाव का आधार बन सकता है।

छात्राओं के सवालों का दिया जवाब: कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. तबरेज आलम ने की, जबकि संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर नाजिया शाहिद ने किया। छात्राओं ने HPV संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर, वैक्सीनेशन, स्क्रीनिंग और बचाव से संबंधित विभिन्न सवाल पूछे, जिनका मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि ने सरल भाषा में जवाब दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनामिका मिश्रा, डॉ. पूजा उपाध्याय, गीता देवी, अंशिका गुप्ता सहित कॉलेज की छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर छात्राओं को 'जागरूक बेटी, सुरक्षित भविष्य' का संदेश दिया गया।

दो साल से पानी की टंकी बंद, दूषित पानी पी रहे ग्रामीण

म्योरपुर,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। स्थानीय ब्लॉक की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत कुलडोमरी के विरनबहरा और गुलालीडीह गांव में हर घर नल जल योजना ग्रामीणों के लिए शोपीस बनकर रह गई है। विरनबहरा में करीब दो साल और गुलालीडीह में एक वर्ष से पानी की टंकी से घरों तक जलापूर्ति नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि मजबूरी में उन्हें दूषित और फ्लोराइडयुक्त पानी का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने डीएम से दोनों टंकियों से जलापूर्ति कराये जाने की गुहार लगाया है। ग्रामीण रामजतन शुक्ला, रामधनी आदि ने बताया कि हर घर नल जल योजना के तहत गांव में पानी की टंकी और पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। लंबे समय से टंकी बंद पड़ी है। इसके चलते ग्रामीणों को पेयजल के लिए दूसरे स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कई स्थानों पर लोग ऐसे पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसकी गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि योजना शुरू होने पर उन्हें घर-घर शुद्ध पेयजल मिलने की उम्मीद जगी थी, लेकिन लंबे समय से जलापूर्ति बंद होने से योजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है। बरसात के मौसम में दूषित पानी के इस्तेमाल से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए बंद पड़ी जलापूर्ति व्यवस्था की जांच कराने, पानी की टंकी और पाइपलाइन की कमियों को दूर कराने तथा तत्काल नियमित एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति शुरू कराने की मांग की है। स्थनीय ग्रामीण सियाराम, संतोष, संजय, रमेश लाल, कन्हैयालाल, लालबहादुर, रामअवतार, सुरेश, देवधारी, बाबूराम, शिव प्रसाद, बुल्लू यादव आदि ने पेयजल आपूर्ति कराने की मांग की है। इस संबंध में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि पानी की टंकी और जलापूर्ति की जिम्मेदारी जल निगम तथा संबंधित ठेकेदार की है।

वनरक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान एक वनरक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। सोमवार को बनकट कछौटा के पास सड़क किनारे वनरक्षक 34 वर्षीय रवि यादव खून से लथपथ हालत में मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि रवि यादव बाइक से अपने क्षेत्र में भ्रमण के लिए निकले थे। इसी दौरान वह सड़क किनारे गंभीर हालत में मिले। उनके शरीर पर चोट और खून के निशान पाए जाने से घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रथम दृष्टया मामला सड़क हादसे से जुड़ा हो सकता है, हालांकि मौत की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हादसे समेत अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वनरक्षक की मौत की सही वजह स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद वन विभाग और मृतक के परिजनों में भी शोक का माहौल है।

करीमुद्दीनपुर स्टेशन पर दो मिनट के लिए रुकेगी लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया ट्रेन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु गाड़ी संख्या 11071/11072 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर करीमुद्दीनपुर स्टेशन पर 02 मिनट का अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

फलस्वरूप लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 16 अगस्त, 2026 से चलने वाली 11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया एक्सप्रेस करीमुद्दीनपुर स्टेशन पर 21.53 बजे पहुँचकर 21.55 बजे छूटेगी तथा बलिया से 17 अगस्त, 2026 से चलने वाली 11072 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया एक्सप्रेस करीमुद्दीनपुर स्टेशन पर 13.13 बजे पहुँचकर 13.15 बजे छूटेगी।

आबादी के अनुपात में हर समाज को मिले सम्मान और प्रतिनिधित्व :मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीडीए भवन, कटघरा में अम्बेडकर विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने सामाजिक न्याय और समान प्रतिनिधित्व को लेकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार से ठोस नीति बनाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक और सामाजिक समुदाय को सम्मान, समान अवसर और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, सिख, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग समेत सभी सामाजिक समूहों को उनकी आबादी, सामाजिक-शैक्षिक स्थिति और वास्तविक वंचितता के प्रमाणित आंकड़ों के आधार पर अवसर और प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि सामाजिक न्याय किसी वर्ग के खिलाफ राजनीति नहीं, बल्कि वंचित लोगों को आगे बढ़ने का न्यायपूर्ण अवसर देने की व्यवस्था है। उन्होंने संसद, विधानसभाओं, न्यायपालिका, प्रशासन, विश्वविद्यालयों और सरकारी संस्थानों में विभिन्न सामाजिक समूहों के प्रतिनिधित्व का वैज्ञानिक एवं पारदर्शी अध्ययन कराने की मांग की।

उन्होंने जातीय जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करने तथा सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति का व्यापक सर्वेक्षण कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रमाणित आंकड़ों के आधार पर आरक्षण एवं प्रतिनिधित्व की नीतियों की समीक्षा की जानी चाहिए, ताकि वास्तविक रूप से वंचित वर्गों तक योजनाओं और अवसरों का लाभ पहुंच सके।

उन्होंने कहा, 'हम किसी के अधिकार छीनने की राजनीति नहीं, बल्कि सबको न्यायपूर्ण हिस्सेदारी देने की राजनीति चाहते हैं। हमारा सिद्धांत है–न किसी के साथ अन्याय, न किसी के अधिकार पर कब्जा।'

खान ने कहा कि संविधान समानता, स्वतंत्रता और न्याय की मजबूत बुनियाद देता है। इसलिए सामाजिक न्याय की नीतियां ऐसी होनी चाहिए, जिनसे गरीब, पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और अन्य वंचित वर्गों को आगे बढ़ने का वास्तविक अवसर मिले।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से विश्वसनीय जातीय, सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक आंकड़ों के आधार पर व्यापक सामाजिक न्याय नीति तैयार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सच्चा सामाजिक न्याय वही है, जिसमें हर वर्ग को सम्मान, हर नागरिक को अवसर और लोकतंत्र में हर आवाज को उचित स्थान मिले।

परिषदीय विद्यालयों में धूमधाम से मनाया गया 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम, बच्चों ने दिखाई देशभक्ति की अनूठी झलक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निदेशानुसार जनपद के परिषदीय विद्यालयों में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर के नेतृत्व में जिलेभर के विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालयों में बच्चों ने तिरंगे झंडे तैयार करने के साथ ही आकर्षक तिरंगा रंगोली, फूल-पत्तियों से बनी रंगोली, कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता तथा मेहंदी प्रतियोगिता जैसी विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में प्रतिभाग किया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान का संदेश दिया।

विद्यालय परिसरों में तिरंगे के रंगों से सजी रंगोलियां और बच्चों द्वारा तैयार की गई विभिन्न कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। छात्र-छात्राओं में कार्यक्रम को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। शिक्षकों ने भी बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व और उसके सम्मान के बारे में जानकारी दी।

'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना से जोड़ने का प्रयास किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न विद्यालयों में कार्यक्रमों का सफल आयोजन कराया गया।

विश्व आदिवासी दिवस पर बड़ादेव स्थल पर सार्वजनिक मंच का भूमि पूजन

सुशील कुमार तिवारी, म्योरपुर,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को ग्राम पंचायत देवरी स्थित बड़ादेव स्थल पर क्षेत्र पंचायत निधि से बनने वाले सार्वजनिक मंच का भूमि पूजन एवं शिलान्यास ब्लॉक प्रमुख द्वारा विधि-विधान से किया गया। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधान, पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। भूमि पूजन के बाद ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि बड़ादेव स्थल आदिवासी समाज की आस्था और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां सार्वजनिक मंच बनने से धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र पंचायत जनहित के विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान भोला सोनी,हरि सिंह गोंड, महावीर, राम प्रकाश गोंड, शिवव्रत गोंड, राम अवतार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी गईं तथा आदिवासी संस्कृति और सामाजिक एकता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

शहीद परिवारों को किया गया सम्मानित, निकाली गई तिरंगा यात्रा रैली

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में हर घर तिरंगा का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयए जौनपुर में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयोजित सम्मान समारोह में शहीद परिवारों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अमर शहीद राकेश सिंह की पत्नी सरोज सिंह, अमर शहीद जिलाजित यादव की पत्नी पूनम देवी एवं अमर शहीद महेन्द्र प्रताप यादव पत्नी रीता यादव को अंगवस्त्र एवं स्मृति.चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अजीत प्रजापति, जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, जौनपुर ने अपने संबोधन में युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक सोच एवं अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने 13 अगस्त को आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक लोगों से सहभागी बनने का आह्वान करते हुए बताया कि जौनपुर में नगर पालिका से कलेक्ट्रेट तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। साथ ही उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया।

मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि मेडिकल कॉलेज शहीद परिवारों की चिकित्सकीय सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगा। उन्होंने तत्काल मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 (डा0) ए0ए0 जाफरी को निर्देशित किया कि शहीद परिवारों के लिए विशेष पहचान.पत्र जारी किए जाएँ, जिससे उन्हें चिकित्सा सेवाओं का लाभ बिना किसी प्रतीक्षा के मिल सके। उन्होंने सभी चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं से अपने.अपने घरों पर तिरंगा फहराकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की अपील भी की।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जौनपुर के वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक डा0 सुभाष सिंह ने तिरंगे के गौरव, उसके सम्मान तथा देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने.अपने क्षेत्र में राष्ट्र सेवा कर सकता है। उन्होंने शहीदों एवं उनके परिवारों को नमन करते हुए सभी से राष्ट्रभक्ति की भावना को सदैव बनाए रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक नोडल अधिकारी प्रियंका सिंह द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन ड0 पूजा पाठक द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर रुचिरा शेट्टी द्वारा उपस्थित अतिथिगण एवं अमर शहीदों की धर्मपत्नियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समापन की औपचारिक घोषणा की गई। समारोह के उपरांत सभी उपस्थित लोगों ने हर घर तिरंगा सेल्फी प्वाइंट पर तिरंगे के साथ सेल्फी ली।

कार्यक्रम के अगली कड़ी में भव्य तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई, जिसमें चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा आस पास का क्षेत्र भारत माता की जय और राष्ट्रभक्ति के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर डीक एकेडमिक प्रो0 तबस्सुम याशमिन, प्रो0 साधना अजय, प्रो0 भारती यादव, डा0 ले0 कर्नल सी0बी0एस0 पटेल, डा0 सरिता पाण्डेय, डा0 अनुज सिंह, डा0 मुदित चौहान, डा0 नीवन सिंह, डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 अचल सिंह, डा0 चन्द्रभान, डा0 विनोद वर्मा, डा0 कुलदीप गुप्ता, डा0 संजीव यादव, डा0 बृजेश कन्नौजिया, डा0 प्रतिभा सिंह, डा0 अरविन्द यादव, डा0 अर्चना, डा0 अनिल कुमार, डा0 दीपक सिंह, डा0 जयन्त शर्मा, डा0 संदीप सिंह, डा0 शादाब एवं अन्य चिकित्सक व भारी संख्या में कर्मचारी व छात्र.छात्राएं उपस्थित रहें।

हीटवेव से बच्चों की मानसिक सेहत पर पड़ सकता है असर

इंदौर (उत्तरशक्ति)। तापमान, हीटवेव और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध पर किए गए वैश्विक अध्ययन की समीक्षा से पता चला है कि पांच से 18 साल की उम्र के बच्चे और किशोर सबसे अधिक जोखिम में है। अध्ययन के नतीजे इंटरनेशनल जर्नल आफ एपिडेमियोलाजी में प्रकाशित हुए हैं। आस्ट्रेलिया की पिलंडर्स यूनिवर्सिटी के कालेज आफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ में एपिडेमियोलाजिस्ट और एसोसिएट प्रोफेसर जैकलीन स्टीफंस ने कहा, बच्चों के जलवायु परिवर्तन से अधिक प्रभावित होने के कई कारण हैं, जो सामाजिक और विकास से जुड़े तनावों से जुड़े हैं। इनमें बाहरी गतिविधियां, उनकी शिक्षा और मनोरंजन के मौकों में रुकावटें शामिल हैं। कहा, किशोरावस्था मानसिक स्वास्थ्य के विकास के लिए भी एक संवेदनशील दौर होता है, जिससे अत्यधिक गर्मी से प्रभावित होने का खतरा बढ़ सकता है। अधिक तापमान का संबंध बच्चों में सीखने और पढ़ाई-लिखाई में खराब प्रदर्शन से भी रहा है। यह जानकारी राजेंद्र प्रसाद भूपे ने प्रेस विज्ञप्ति माध्यम से दी है।

भाजपा नगर दक्षिणी की तिरंगा यात्रा में गूंजा भारत माता का जयकारा, हर हाथ में दिखा राष्ट्रध्वज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी नगर दक्षिणी की ओर से मंगलवार को नगर अध्यक्ष डॉ. कमलेश कुमार निषाद के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। पॉलिटेक्निक चौराहे से शुरू हुई यात्रा रूहट्टा, ओलन्दगंज, सद्भावना तिराहा और जोगियापुर होते हुए कलेक्ट्रेट तिराहा स्थित शहीद स्तंभ पर पहुंचकर समाप्त हुई। यात्रा में पार्टी पदाधिकारियों, बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। लोगों के हाथों में तिरंगा और जुबां पर ह्यभारत माता की जयह्ल, ह्यमहात्मा गांधी अमर रहेंह्ल, ह्यभगत सिंह अमर रहेंह्ल और ह्यचंद्रशेखर आजाद अमर रहेंह्ल के नारे गूंजते रहे। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान है। इसके सम्मान की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी और तिरंगे के सम्मान के लिए हजारों वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। यह यात्रा उन शहीदों के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धांजलि का प्रतीक है।

विधानसभा प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसी तिरंगा यात्राएं वर्षभर आयोजित होनी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी को स्वतंत्रता के महत्व और शहीदों के बलिदान की जानकारी मिल सके।

यात्रा से पहले ह्यहर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगाह्ल अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। लोगों से अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की गई।

यात्रा में भारत माता, महात्मा गांधी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, वीर अब्दुल हमीद, वीर सावरकर, सरदार पटेल, डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा कारगिल युद्ध के योद्धाओं समेत विभिन्न शहीदों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। भारत माता और महात्मा गांधी की सजीव झांकी ने विशेष आकर्षण पैदा किया। देशभक्ति गीतों के बीच कार्यकताओं और नागरिकों का उत्साह देखते ही बना।

यात्रा का शुभारंभ मां भारती की प्रतिमा की आरती के साथ किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, जिला महामंत्री अजय सिंह, संदीप तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंघानिया, विकास शर्मा, सुधांशु सिंह, नीरज सिंह, राजेश कन्नौजिया, अभिषेक श्रीवास्तव, अंजना सिंह, जय विजय सोनकर, बसंत प्रजापति, प्रदीप तिवारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड ने किया आरएस सोलर एंड सिक्योरिटी एम्पायर कार्यालय का भव्य शुभारंभ

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सावन माह के द्वितीय सोमवार के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आरएस सोलर एंड सिक्योरिटी एम्पायर कार्यालय का भव्य शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री माननीय संजीव सिंह गोंड द्वारा किया गया। कार्यालय शुभारंभ समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवनाथ जायसवाल, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह सहित पूनम देवी, श्रवण केशरी, आकाश विश्वकर्मा, रूपा देवी, शांति देवी, गीता एवं मधु समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा देश : संजीव सिंह गोंड समारोह को संबोधित करते हुए समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना देश के आम परिवारों को सौर ऊर्जा से जोड़ने की दिशा में केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाकर परिवार अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलने के साथ बिजली के खर्च में भी राहत मिल सकती है। उन्होंने पात्र परिवारों से योजना की जानकारी प्राप्त कर सरकारी नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार इसका लाभ उठाने की अपील की। मंत्री श्री गोंड ने कहा कि सौर ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

वसई में छः अस्थायी कंटेनर कोर्ट बनाने की पहल, फंड मंजूरी के लिए प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण का मुख्यमंत्री को पत्र

वसई। वसई कोर्ट में लंबित 70 हजार से अधिक मामलों के बढ़ते बोझ को देखते हुए छह अस्थायी कंटेनर कोर्ट बनाने की पहल तेज हो गई है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र भेजकर आवश्यक निधि उपलब्ध कराने की सिफारिश की है।

वसई की मौजूदा कोर्ट बिल्डिंग में जगह की कमी के कारण लंबे समय से कामकाज प्रभावित हो रहा है। नई कोर्ट बिल्डिंग के निर्माण में अभी कम से कम पांच वर्ष लगने की संभावना है।

ऐसे में लंबित मामलों के जल्द निपटारे और नागरिकों को समय पर न्याय उपलब्ध कराने के लिए अस्थायी कोर्ट की व्यवस्था करने का प्रस्ताव रखा गया है। वसई कोर्ट बिल्डिंग कमिटी के सदस्यों ने 28 जुलाई 2026 को तत्कालीन गार्जियन मिनिस्टर रवींद्र चव्हाण से मुलाकात कर कोर्ट बिल्डिंग के पास लोक निर्माण विभाग की जमीन उपलब्ध कराने की मांग की थी। उस समय चव्हाण ने मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक प्रयास करने का आश्वासन दिया था।

इसके बाद महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष और नवनिर्वाचित सदस्य एडवोकेट संगम संग्राम देसाई की मध्यस्थता से वसई लॉयर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने 1 अगस्त 2026 को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण से दोबारा मुलाकात की और उन्हें इस संबंध में विस्तृत निवेदन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में एडवोकेट दर्शना त्रिपाठी-कोटक, एडवोकेट नोवेल डाबरे, एडवोकेट दिगंबर देसाई, एडवोकेट साधना पारदीवाला, एडवोकेट मोसेस

रोड्रिग्स, एडवोकेट प्रकाश खोथावाले और एडवोकेट धनंजय चव्हाण सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रस्ताव के अनुसार, कोर्ट परिसर के पास 108 गुंठे की पार्किंग जगह में 3030 आकार के छह अस्थायी कंटेनर कोर्ट तैयार किए जाने हैं। इन अस्थायी कोर्ट के निर्माण के लिए लगभग 1 करोड़ रुपये के बजट की आवश्यकता बताई गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रवींद्र चव्हाण ने बजट प्रस्ताव जमा करने के निर्देश दिए और आवश्यक निधि मंजूर कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने इस विषय की जानकारी मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री को भी देने के साथ आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

अपने आश्वासन के अनुरूप रवींद्र चव्हाण ने 10 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को आधिकारिक पत्र भेजा। पत्र में उन्होंने कहा कि वसई कोर्ट में वर्तमान में 70 हजार से अधिक मामले लंबित हैं और नई कोर्ट बिल्डिंग के निर्माण में कम से कम पांच वर्ष लग सकते हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि ठाणे जिला मुख्य न्यायाधीश के निदेर्शानुसार लंबित मामलों के बढ़ते बोझ को देखते हुए लोक निर्माण विभाग के माध्यम से अस्थायी आधार पर कोर्ट रूम का निर्माण आवश्यक है। चव्हाण ने जिला नियोजन समिति, पालघर से वसई कोर्ट निर्माण समिति के अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए इस कार्य के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराने की सिफारिश की है। इस पहल पर वसई लॉयर्स एसोसिएशन की सदस्य तथा भाजपा कॉर्पोरेटर एडवोकेट दर्शना त्रिपाठी-कोटक ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि वसई के वकीलों और आम नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही इस गंभीर समस्या के समाधान की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। अस्थायी कोर्ट की सुविधा शुरू होने से लंबित मामलों की सुनवाई में तेजी आने की उम्मीद है और वकीलों के साथ-साथ पक्षकारों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

साईनगर में जोश के साथ हुआ साइकिल वितरण कार्यक्रम

वसई रोड। वसई रोड वार्ड नंबर 23 में कॉर्पोरेटर श्रीमती निम्मी दोशी की पहल से साईनगर में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, महिलाओं, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में नवनीत दुबे उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार शहर जिला के जनरल सेक्रेटरी बिजेंद्र कुमार, कॉर्पोरेटर श्रीमती अपर्णा पाटिल, कॉर्पोरेटर प्रदीप पवार, उत्तम कुमार, छोटू आनंद, भाजपा माइनॉरिटी फ्रंट के जिला अध्यक्ष मैथ्यू कोलासो, गोपी मेनन, मनोज गुप्ता, निपुण दोशी, स्वप्निल अवसरसेकर, बाला सावंत, प्रणित कोप्पिकर, लालजी कनौजिया, शेमल अजगिया और कल्पेश चौहान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों एवं लाभार्थियों को साइकिलें वितरित की गईं। साइकिल वितरण को लेकर लाभार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाजहित से जुड़ा सराहनीय प्रयास बताया। आयोजकों के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करने के साथ-साथ उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर साधन उपलब्ध कराना है। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, महिला बहनों, ऑफिस बेयरर्स और एक्टिविस्टों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। पूरे कार्यक्रम का माहौल जोश और उत्साह से भरा रहा तथा साइकिल वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

लुप्त हो रहे वैदिक संस्कारों के पुनर्जागरण को लेकर श्रावणी उपाकर्म महोत्सव 28 अगस्त को

-प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। मानव कल्याण शक्ति ज्योति फाउंडेशन रजि. ठ्ठह्ल द्वारा संचालित संस्कार जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्राचीन एवं लुप्तप्राय वैदिक संस्कारों के पुनर्जागरण के उद्देश्य से श्रावणी उपाकर्म महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 28 अगस्त 2026, शुक्रवार को प्रातः 5 बजे से 9 बजे तक गजानन्द हाईस्कूल प्रांगण, प्रगति नगर, नालासोपारा पूर्व में संपन्न होगा। आयोजक संस्था की ओर से समस्त सनातनीय कर्मकाण्डी ब्राह्मणों, पंडितों, मंदिरों में नियुक्त देव पूजकों, ज्योतिषियों, कथा वाचकों, धर्म गुरुओं सहित सनातन धर्मावलंबियों से इस पावन वैदिक अनुष्ठान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया है। संस्था के अनुसार, श्रावणी

उपाकर्म केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि वैदिक परंपराओं और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उपाकर्म के माध्यम से यज्ञोपवीत धारण करने वाले द्विजों द्वारा वैदिक परंपरा के अनुरूप आत्मशुद्धि, ऋषि स्मरण एवं अपने स्वाध्याय और संस्कारों के प्रति पुनः संकल्प लिया जाता है। आयोजकों ने कहा कि वर्तमान समय में अनेक प्राचीन वैदिक संस्कार धीरे-धीरे समाज से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में इन संस्कारों को पुनर्जीवित कर जन-जन तक पहुंचाना और युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ना सामूहिक जिम्मेदारी है। फाउंडेशन ने सभी सनातन बंधुओं से अपील की है कि वे स्वयं कार्यक्रम में शामिल होने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। आयोजन का उद्देश्य एकजुट हों, संस्कार जागृत करें और सनातन को सशक्त बनाएं के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत एवं सादर आमंत्रण किया है।

सीएचसी में डीएम का औचक निरीक्षण, फार्मासिस्ट को नोटिस; अल्ट्रासाउंड सेंटर पर भी गिरी गाज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने मंगलवार को बदलापुर तहसील और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। डीएम के अचानक पहुंचने से अस्पताल परिसर में खलबली मच गई। उन्होंने मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, दवा वितरण, चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति, साफ-सफाई समेत विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कमियां मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। सीएचसी की फार्मेसी का निरीक्षण करते समय जिलाधिकारी को फार्मासिस्ट द्वारा दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं किए जाने की जानकारी मिली। इस पर डीएम ने संबंधित फार्मासिस्ट के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए

चिकित्सक की गैरमौजूदगी में अल्ट्रासाउंड संचालन पर उठे सवाल, दोबारा जांच के आदेश

स्पष्टीकरण/शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले मरीजों को आवश्यक दवाएं समय से उपलब्ध होनी चाहिए। दवा वितरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस भी जांचे

इसके बाद डीएम ने सीएचसी के बाहर संचालित मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया। जांच में कुछ संचालकों द्वारा लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन किए जाने के बावजूद आवश्यक प्रक्रिया पूरी नहीं कराने की बात सामने आई। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब करने और नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई के निर्देश दिए।

बंद मिला अल्ट्रासाउंड सेंटर, तकनीशियन भी चला गया

औचक निरीक्षण के दौरान एक अल्ट्रासाउंड सेंटर बंद मिला। जिलाधिकारी के पहुंचने पर सेंटर का तकनीशियन शटर बंद कर मौके से चला गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने संबंधित सेंटर की दोबारा जांच कराने के निर्देश दिए।

संबंधित चिकित्सक के बारे में पूछने पर अधिकारियों ने बताया कि वह बाहर गए हुए हैं। इस पर जिलाधिकारी ने सवाल किया कि चिकित्सक की गैरमौजूदगी में अल्ट्रासाउंड जांच किस प्रकार संचालित की जा रही है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने तहसील स्तर के अधिकारियों को तत्काल सेंटर की जांच कराने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर नियमानुसार सेंटर को सील करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

लोगों ने डीएम से की स्वास्थ्य सेवाओं की शिकायत

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित कई शिकायतें भी जिलाधिकारी के सामने रखीं। डीएम ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आमजन को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने चिकित्सकों और कर्मचारियों की समय से उपस्थिति, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता तथा जांच और उपचार की सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण में मिली कमियों को तत्काल दूर कर अनुपालन रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

तहसील में लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण पर जोर

स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने बदलापुर तहसील परिसर और कार्यालय का जायजा लिया। उन्होंने पुराने एवं लंबित वादों की समीक्षा करते हुए नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर उनका शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

तहसील परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित सफाई कराने को कहा। अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने की हिदायत दी।इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिवक्ताओं से भी संवाद किया और उनकी समस्याएं व सुझाव सुने। संबंधित अधिकारियों को अधिवक्ताओं की समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी कार्यालयों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेगा। निरीक्षण में लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संजीव उपाध्याय के प्रयासों को सफलता, बैगनवाड़ी नाला निर्माण कार्य में तेजी

मुंबई। बैगनवाड़ी, रोड नंबर 14,15, भारतनगर स्कूल के पीछे, गोवंडी (पूर्व), मुंबई स्थित नाले के निर्माण की मांग पर अब मनपा स्तर पर आगे की कार्रवाई शुरू हो गई है। मनपा के एम-पूर्व विभाग ने इस संबंध में 10 अगस्त 2026 को महत्वपूर्ण पत्र जारी किया है।मदरसा फैजाना ए गरीब नवाज ट्रस्ट की ओर से उक्त नाला निर्माण के लिए मनपा प्रशासन के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इसके साथ ही इस मांग को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव उपाध्याय ने भी मनपा प्रशासन को निवेदन देकर लगातार पाठपुरावा किया था।

मनपा एम-पूर्व विभाग के पत्र के अनुसार, उक्त नाला निर्माण के लिए

विभागीय स्तर पर आवश्यक निधि उपलब्ध नहीं है। इसलिए ट्रस्ट के मूल आवेदन को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए पर्जन्य जलवाहिनी विभाग को भेज दिया गया है।

मनपा ने नाला निर्माण के लिए आवश्यक अनुमानपत्र, वर्तमान स्थिति के फोटो और प्लान संबंधित कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होने के बाद नाला निर्माण के लिए निधि उपलब्ध कराने के संबंध में आगे की कार्रवाई की जा सकेगी।

मनपा एम -पूर्व अधिकारियों द्वारा किए गए स्थल निरीक्षण में यह भी सामने आया कि संबंधित नाला रोड नंबर 13 से शुरू होकर रोड नंबर 15 स्थित बड़े नाले में जाकर मिलता है। मनपा के इस जवाब से इंदिरानगर-बैगनवाड़ी, गोवंडी (पूर्व) क्षेत्र में नाला निर्माण की मांग को आगे की दिशा मिली है। संजीव उपाध्याय के निवेदन और लगातार किए गए पाठपुरावे के बाद मनपा प्रशासन द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई शुरू किए जाने से स्थानीय नागरिकों में संतोष व्यक्त किया जा रहा है। अब आवश्यक अनुमानपत्र, फोटो और प्लान प्रस्तुत किए जाने के बाद निधि मंजूर होकर नाला निर्माण का प्रत्यक्ष काम कब शुरू होता है, इस पर क्षेत्र के नागरिकों की नजर बनी हुई है।

राजदेई इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति के तहत महिला जागरूकता शिविर आयोजित

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के भरौली स्थित राजदेई इंटर कॉलेज परिसर में मंगलवार को मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिला सुरक्षा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाहगंज पुलिस ने महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा, अधिकारों तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को 112, 1090, 181, 1098 और 1930 समेत विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल सहायता लेने की अपील की। इस दौरान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और विभिन्न पेंशन योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए पात्र महिलाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया गया। पुलिस ने महिलाओं से आत्मनिर्भर और जागरूक बनने की अपील करते हुए नशा मुक्ति अभियान में सहभागिता कर समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करने का संदेश भी दिया।

तिरंगा एकता, अखंडता और स्वाभिमान का प्रतीक : कुलपति

मातृ शक्ति हुंकार रैली में 79 छात्राओं ने लिया हिस्सा, हर घर तिरंगा अभियान के लोगो का हुआ अनावरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मंगलवार को हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत अभियान के लोगो का अनावरण किया गया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने लोगो का अनावरण करते हुए कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है।

अभियान का लोगो अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की अंतिम वर्ष की छात्राओं कुमकुम माहौर, मुस्कान साहू और श्रेया मौर्य ने तैयार किया है। कुलपति ने छात्राओं के रचनात्मक प्रयास की सराहना करते

हुए कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण से जोड़ना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है।

इस दौरान एक आग्रह अपने तिरंगे के नाम अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिवार से अपील की गई कि हर घर तिरंगा अभियान-2026 के लोगो को व्हाट्सऐप स्टेटस और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर अभियान को जनभागीदारी से जोड़ें। अभियान के तहत विश्वविद्यालय में मातृ शक्ति हुंकार रैली भी निकाली गई, जिसमें महिला छात्रावास की 79 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने राष्ट्रप्रेम और तिरंगे के सम्मान का संदेश दिया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि ह्यहर घर तिरंगा अभियान युवाओं में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय दायित्व की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, राष्ट्रीय सेवा योजना के शशिकांत यादव, अभियान समन्वयक डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय, डॉ. श्वेता पाण्डेय, डॉ. राधिका उर्मालिया, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. साक्षी सिंह, डॉ. कृष्ण सिंह, डॉ. ऋचा सिंह, डॉ. जया शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद रहे। छात्रा समन्वयक ईशिका सिंह ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की पावन कलश वंदन यात्रा का पराऊगंज में हुआ भव्य स्वागत

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत संत शिरोमणि गुरु श्री रविदास जी महाराज की पावन कलश वंदन यात्रा के मंगलवार को केराकत विधानसभा क्षेत्र के पराऊगंज पहुंचने पर श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। यात्रा के पराऊगंज पहुंचते ही पूर्व विधायक दिनेश चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने पुष्प वर्षा, ढोल-नगाड़ों एवं जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया।

पावन कलश को श्रद्धापूर्वक सिर पर धारण कर निकाली गई कलश वंदन यात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवा शामिल हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालु संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बना रहा।

यात्रा के हनुमान मंदिर स्थल पहुंचने पर विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक पावन कलश का पूजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने कलश के दर्शन एवं पूजन कर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम में लोगों ने सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और समाज में एकता के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज का जीवन और उनके विचार समाज को समानता, भाईचारे और समरसता का मार्ग दिखाते हैं। उनकी वाणी और संदेश आज भी समाज को एकजुट करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का कार्य करते हैं तथा युवा पीढ़ी को संत रविदास जी के विचारों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कलश वंदन यात्रा के दौरान क्षेत्र में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। पुष्प वर्षा और ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या में लोगों ने यात्रा में शामिल होकर संत रविदास जी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा एवं आस्था प्रकट की। इस अवसर पर अभियान के जिला संयोजक जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, सह संयोजक सुदर्शन सिंह, हरिराम पाल, योगेश मिश्रा, लालप्रताप सिंह, राजबहादुर सिंह, गौतम मिश्रा, बेबी सरोज, विद्याभूषण सिंह, लुटावन निषाद, राहुल शुक्ला, रणधीर तिवारी, पवन चौहान, राजीव सरोज, राजेश सिंह, रिंकू सरोज, मुकेश जायसवाल समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएनजी ज्वेलर्स की ओर से यू ब्रँड पेश, आधुनिक महिलाओं की बदलती पहचान को समर्पित नए लाइटवेट ज्वेलरी के ब्रांड का शुभारंभ

मुंबई। पीएनजी ज्वेलर्स ने अपने लाइटवेट फाइन ज्वेलरी ब्रांड लाइटस्टाइल को नए नाम यू के साथ रीब्रांड करने की घोषणा की है. यह ब्रँड के विकास में महत्त्वपूर्ण कदम है. यह ब्रँड हर महिला की अपनी अलग पहचान, आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति को जाहीर करने के अंदाज का जश्न मनाने वाली ज्वेलरी प्रस्तुत करने की नई सोच को दशार्ता है. वर्ष 1832 से विश्वास और उत्कृष्ट कारीगरी की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाते हुए, पीएनजी ज्वेलर्स का नया ब्रांड यू उन महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है, जो ज्वेलरी को केवल विशेष अवसरों तक सीमित नहीं मानतीं, बल्कि उन्हें अपनी पहचान, व्यक्तित्व और रोज की जिंदगी का अहम हिस्सा मानती हैं. पारंपरिक ज्वेलरी और रोज पहने जानेवाली आधुनिक ज्वेलरी के बीच की दूरी को कम करने के उद्देश्य से शुरू किया गया यू ब्रँड कम समय में ही लाइटवेट सोने और डायमंड ज्वेलरी के लिए ग्राहकों की पसंद बन गया है. जैसे-जैसे ग्राहकों की पसंद ज्यादा अभिव्यक्त और डिजाइन-केंद्रित ज्वेलरी की ओर बढ़ी है, पीएनजी ज्वेलर्स ने एक ऐसे ब्रांड की आवश्यकता महसूस की जो आज की महिलाओं की सोच और जीवनशैली से बेहतर से जुड़ सके. यू ब्रँड उसी सोच का परिणाम है, जिसमें हर डिजाइन की ज्वेलरी पहनने वाली महिला की पसंद और व्यक्तित्व को केंद्रस्थान में रखा गया है. साथ ही पीएनजी ज्वेलर्स की गुणवत्ता, शुद्धता और उत्कृष्ट कारीगरी की पहचान को बनाए रखा गया है.

डायमंड ज्वेलरी ब्रँड यू 14, 18, 22 और 9 कैरेट सोने में लाइटवेट और आकर्षक डिजाइनों की विस्तृत श्रृंखला पेश करता है. इसके हर कलेक्शन को मॉडर्न लाइफस्टाइल को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है. इसमें रिंग्स, ईयररिंग्स, चेन, पेंडेंट, ब्रेसलेट, चूड़ियाँ, मंगलसूत्र और पुरुषों के लिए ज्वेलरी शामिल हैं. यह ज्वेलरी ऑफिस से लेकर सोशल इव्हेंट्स तक सहजता से पहनी जा सकती है. वर्तमान में महाराष्ट्र और गोवा में 13 एइड (ब्रांड का एकमात्र बिक्री केंद्र) लोकेशन्स के साथ-साथ पाँच राज्यों में शॉप इन शॉप फॉर्मेट में भी यू की उपस्थिति है। भारत में हल्के वजन की डायमंड ज्वेलरी के लिए पसंदीदा डेस्टिनेशन बनने का यू का लक्ष्य है और ब्रांड ने 2030 तक रक्र और एइड फॉर्मेट में 100 नए स्टोर्स खोलने का लक्ष्य रखा है। यू बाय पीएनजी ज्वेलर्स की ब्रांड एम्बेसडर सारा तेंदुलकर ने कहा,आज के समय में ज्वेलरी का मतलब केवल किसी विशेष मौके का इंतजार नहीं करना नहीं, बल्कि अपनी पहचान और व्यक्तित्व को अभिव्यक्त करने का माध्यम है. मुझे यू की सबसे अच्छी बात यह लगती है कि यह महिलाओं को अपना हर दिन मनाने के लिए प्रेरित करता है. इसके डिजाइन आधुनिक, सहज और बेहद व्यक्तिगत हैं. यह ब्रांड आज की पीढ़ी के आत्मविश्वास और उनकी अलग पहचान को दशार्ता है. चमकने के लिए किसी अवसर की जरूरत नहीं होती... आप ही वह अवसर हैं! यू में आपका स्वागत है! पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा,यू के माध्यम से हम अपनी इस सफर को आगे बढा रहे हैं,जो आज की महिला और उनकी उम्मीदों से सीधे जुड़ता है. प्रत्येक डिजाइन को दैनिक जीवन के अनुरूप तैयार किया गया है, साथ ही पीएनजी ज्वेलर्स के विश्वास, शुद्धता और उत्कृष्ट कारागिरी के वादे को भी आगे बढ़ाया गया है. ग्राहकों को इस ब्रांड के माध्यम से अधिक नवाचार, आधुनिक कलेक्शन और एक अच्छे ज्वेलरी का अनुभव प्राप्त होगा.

अमित शाह ने भारत के शहरी सहकारी बैंकिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए रोडमैप पेश किया

मुंबई। भारत के शहरी सहकारी बैंकिंग (यूसीबी) क्षेत्र में प्रौद्योगिकी-प्रेरित परिवर्तन, साइबर रेजिलीएंस और संस्थागत क्षमता-निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज मुंबई के बीएसई इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत करने के लिए रोडमैप प्रस्तुत किया और शहरी सहकारी बैंकों की प्रतिनिधि संस्था – नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी) की कई डिजिटल और संस्थागत पहलों का शुभारंभ किया।

घोषणा की गई पहलों में 'बैंक इन ए बॉक्स' शामिल है, जो एक एकीकृत प्रबंधित प्रौद्योगिकी मंच है और जिसे यूसीबी को एंड-टू-एंड बैंकिंग प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है; इसके अलावा, पूरे क्षेत्र में साइबर सुरक्षा और साइबर रेजिलीएंस को मजबूत करने के लिए नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी; और शहरी सहकारी बैंकों के लिए एनयूसीएफडीसी के कोर बैंकिंग सॉल्यूशन 'सहकार सीबीएस' को सबसे पहले अपनाने वाले छह शहरी सहकारी बैंकों का सम्मान भी शामिल है। इस कार्यक्रम के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व उप महाप्रबंधक तथा विजय को-ऑपरेटिव बैंक और अहमदाबाद मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व महाप्रबंधक श्री जी. पी. मिस्त्री द्वारा लिखित शहरी सहकारी बैंकों के लिए एक व्यावहारिक पुस्तिका ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट एंड रेजिलीएंस का विमोचन भी किया गया। श्री अमित शाह ने मुंबई के फोर्ट में एनयूसीएफडीसी के नए कार्यालय का उद्घाटन भी किया।

पत्रकार प्रणित तिवारी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

इंदौर(उत्तरशक्ति)। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो एवं केशर बाग चौकी निवासी पत्रकार प्रणित नरेंद्र तिवारी का जन्मदिन 8 अगस्त 2026, शनिवार को बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर इंदौर स्थित फूटी कोठी के पास एक हॉल में केक काटकर जन्मदिन समारोह आयोजित किया गया।

प्रणित तिवारी सरल, सौम्य, विवेकवान, मृदुभाषी, विनम्र एवं ऊजार्वान व्यक्तित्व के धनी हैं। जन्मदिन समारोह के अवसर पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेमचंद मिश्रा ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा कि जिस प्रकार मृग की कस्तूरी की सुगंध चारों दिशाओं में फैलती है, उसी प्रकार प्रणित तिवारी की कीर्ति की सुगंध भी चारों दिशाओं में फैले। उन्होंने जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह में उनके पिता नरेंद्र तिवारी, बड़े भाई अमित तिवारी, सुमित नरेंद्र तिवारी (श्री बिल्डर एवं डेवलपर, केशर बाग चौकी) सहित वरिष्ठ पत्रकार अरविंद त्रिवेदी, महेश पटेल, विशाल पाठक, वीरेंद्र ठाकुर, त्रिलोक सैनी, आशीष जैन, हर्षल पोतनिस, मनीष नागवानी, अमित सिंह, आनंद वर्मा, रुपेश शर्मा, राजा अरोड़ा, दीपेश पांडे, अतुल बैरागी, विनोद यादव, राकेश चौहान, दीपक ठाकुर सहित अनेक मित्र एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

सभी उपस्थितजनों ने प्रणित तिवारी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक गीत-संगीत और नृत्य का दौर चलता रहा। मित्रों ने फिल्मी गीतों की धुन पर जमकर नृत्य किया और समारोह का भरपूर आनंद लिया। हंसी-खुशी और उत्साह से भरे इस आयोजन ने जन्मदिन समारोह को यादगार बना दिया।

सैमसंग विजन एआई बिग टीवी पर आकर्षक ऑफर्स

मुंबई। सैमसंग इंडिया ने अपने नवीनतम विजन एआई तकनीक से लैस बड़े स्क्रीन वाले टीवी को बढ़ावा देने के लिए ₹बिग सेलिब्रेशन, बिगर स्क्रीन, बिगेस्ट इमोशंसर नाम से एक विशेष कैम्पेन शुरू किया है। यह देशव्यापी कैम्पेन ग्राहकों को प्रीमियम टेलीविजन में अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि उन्हें ज्यादा स्मार्ट, पर्सनलाइज्ड और शानदार होम एंटरटेनमेंट का अनुभव मिल सके। इस कैम्पेन का मुख्य आकर्षण सैमसंग की अत्याधुनिक विजन एआई तकनीक है। यह तकनीक बिक्सबी, परप्लेक्सिटी और माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट जैसे एआई प्लेटफॉर्म्स के साथ मिलकर ग्राहकों को उनकी पसंद के हिसाब से टीवी देखने का ज्यादा पर्सनलाइज्ड और स्मार्ट अनुभव देती है। ये सुविधाएं सैमसंग के नवीनतम माइक्रो आरजीबी, ओएलईडी, नियो क्यूएलईडी, मिनी एलईडी और क्रिस्टल यूएचडी टीवी मॉडल्स में उपलब्ध हैं, जो सिनेमा, खेल और रोजमर्रा के मनोरंजन का अनुभव सीधे ग्राहकों के लिविंग रूम तक पहुंचाते हैं। चयनित सैमसंग विजन एआई बिग टीवी पर ग्राहकों को कई आकर्षक ऑफर्स का लाभ मिलेगा। इनमें 1,02,990 रुपये तक का मुफ्त साउंडबार, 5,29,990 रुपये तक का मुफ्त टीवी, 20 प्रतिशत तक कैशबैक, जीरो डाउन पेमेंट और 36 महीने तक की आसान ईएमआई जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, इस कैम्पेन के तहत ग्राहकों को सैमसंग टीवी प्लस, सैमसंग केयर+, सैमसंग फिनांस+, सैमसंग साउंड+ और सैमसंग आर्ट+ जैसी वैल्यू-ऐडेड सेवाओं का लाभ भी मिलेगा। साथ ही, इन टीवी के लिए सात वर्षों तक ऑपरेटिंग सिस्टम अपग्रेड की सुविधा भी दी जाएगी। विजन एआई तकनीक से लैस सैमसंग के टीवी देशभर में सैमसंग के रिटेल स्टोर्स, Samsung.com, फ्लिपकार्ट और अमेजन पर उपलब्ध हैं। इस अभियान के जरिए सैमसंग का लक्ष्य स्मार्ट एआई फीचर्स, बड़े स्क्रीन और आकर्षक त्योहारी ऑफर्स को साथ लाकर प्रीमियम होम एंटरटेनमेंट को भारत भर के ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचाना है।

टैली एमएसएमई ऑनर्स 2026 ने पश्चिम भारत के 40 उत्कृष्ट एमएसएमई को किया सम्मानित

ठाणे। टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने टैली एमएसएमई ऑनर्स 2026 के पश्चिम क्षेत्र संस्करण का समापन किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा सहित पश्चिम भारत के 40 उत्कृष्ट एमएसएमई को उनके नवाचार, रोजगार सृजन, विकास और सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस वर्ष सम्मानित व्यवसायों में मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, गांधीनगर, नागपुर, ठाणे, अकोला, वापी, इंदौर, सूरत, रायपुर, रत्नागिरी, नवी मुंबई, भिलाई और वलसाड सहित कई शहरों के उद्यम शामिल हैं। ठाणे की जेडी पावर के दीपम मेहता को बिजनेस मैस्ट्रो श्रेणी में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के उप निदेशक प्रफुल उमरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैंकिंग पार्टनर एक्सिस बैंक और टेक्नोलॉजी पार्टनर सेल्सफोर्स ने भी इस पहल को समर्थन दिया। कार्यक्रम में एमएसएमई के लिए एआई पर व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें व्यवसाय की उत्पादकता और विकास के लिए एआई के उपयोग पर मार्गदर्शन दिया गया।

टैली सॉल्यूशंस की चीफ बिजनेस ऑफिसर जयती सिंह ने कहा कि इस वर्ष 58 प्रतिशत नामांकन टियर-2 और टियर-3 शहरों से आए हैं, जो देश के छोटे शहरों में बढ़ती उद्यमशीलता और नवाचार को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि टैली एमएसएमई ऑनर्स का उद्देश्य योग्य उद्यमियों को पहचान, नेटवर्क और विकास के अवसर उपलब्ध कराना है। टैली एमएसएमई ऑनर्स के छह संस्करणों में अब तक 85,000 से अधिक नामांकन प्राप्त हुए हैं और सात देशों के 1,000 से अधिक एमएसएमई को सम्मानित किया जा चुका है। इस वर्ष विजेताओं को वंडर वूमन, बिजनेस मैस्ट्रो, न्यूजेन आइकॉन, टेक ट्रांसफॉर्मर और चैंपियन ऑफ कॉज जैसी पांच श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

होम केयर का भविष्य ज्यादा झाग, तेज खुशबू या जोरदार विज्ञापनों से तय नहीं होगा

मुंबई। भारतीय उपभोक्ताओं के खरीदारी के तरीके में, पिछले दशक के दौरान, बदलाव आया है। चाहे डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ हो या त्वचा की देखभाल (स्किन केयर), बच्चों की देखभाल (बेबी केयर) या व्यक्तिगत देखभाल (पर्सनल केयर) से जुड़े उत्पाद हों, खरीदारी के फैसले में सामग्री (इंग्रीडिएंट) के लेबल महत्वपूर्ण हो गए हैं। उपभोक्ता अब फॉर्मूलेशन की तुलना कर रहे हैं और मार्केटिंग के दावों के अलावा अन्य चीजों पर ध्यान दे रहे हैं। नीलसन आईक्यू के अनुसार, सामग्री और उत्पाद की जानकारी में पारदर्शिता की अब उपभोक्ता का भरोसा बढ़ाने में प्रमुख भूमिका हो गई है। फिर भी, एक श्रेणी ऐसी है जो काफी हद तक इस बदलाव से अछूती रही है और वह है, होम केयर (घर की देखभाल)। हमारे घरों में लगभग हर दिन, डिटर्जेंट, डिशवॉशिंग लिक्विड, फ्लोर क्लीनर और सरफेस क्लीनर का उपयोग होता है। लेकिन सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले घरेलू उत्पादों में शामिल होने के बावजूद, उन्हें अभी भी उनके फॉर्मूलेशन से जुड़े विज्ञान के बजाय, आम तौर पर, खुशबू, दाग हटाने की क्षमता और कीमत के आधार पर आंका जाता है। होम केयर का भविष्य ज्यादा झाग, तेज खुशबू या जोरदार विज्ञापनों से तय नहीं होगा। यह बेहतर केमिस्ट्री, सोच-समझकर चुनी गई सामग्री, ज्यादा पारदर्शिता और ऐसे जागरूक ग्राहकों से तय होगा जो अपने घर में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों से हर तरह की बेहतरी की उम्मीद करते हैं। अब सही मायने में सवाल यह नहीं है कि ₹यदि दूसरे देश अपने डिटर्जेंट के फॉर्मूले बदल रहे हैं, तो हम क्यों नहीं? बल्कि, सवाल यह है: क्या भारत भी फॉर्मूला बदलने से जुड़े सवाल पूछने के लिए तैयार है? गौरतलब है कि यह भारत में सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करने वाली एफएमसीजी श्रेणी में से एक है। आईएमएआरसी समूह के अनुसार, भारतीय घरेलू क्लीनर बाजार के 2034 तक लगभग 14% सीएजीआर से वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। इसकी वजह है, साफ-सफाई के प्रति बढ़ती जागरूकता, शहरीकरण और प्रीमियम होम केयर उत्पादों की बढ़ती मांग। उम्मीद है कि इस श्रेणी के विस्तार के बीच, लोग अब सिर्फ सफाई से आगे बढ़कर पारदर्शिता और बेहतर फॉर्मूलेशन पर ध्यान देंगे।

सावन महोत्सव 2026 में बिखरे कला, संस्कृति और प्रतिभा के रंग

पटना। सावन की हरियाली, बिहार की समृद्ध लोक-संस्कृति, कला, संगीत और प्रतिभा को समर्पित सावन महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन हुनर के तत्वावधान में किंग्स रिसोर्ट, जगनपुरा, पटना में किया गया। कार्यक्रम में कला, संस्कृति, फिल्म एवं मनोरंजन जगत से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता के रूप में कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद उपस्थित रहे। उनके साथ भाजपा से जुड़े वरुण सिंह, कला संस्कृति के प्रदेश अध्यक्ष, अमर शौर्य एवं रंजन सिंह सहित फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों एवं फिल्म निमार्ताओं ने भी कार्यक्रम में शिरकत की और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में रवि शंकर चौधरी एवं उनकी पत्नी पूजा चौधरी की विशेष उपस्थिति रही। दोनों ने हुनर की डायरेक्टर मनीषा मिश्रा द्वारा तैयार किए गए हाथ से निर्मित मिथिला कला से सजे कुर्ता एवं साड़ी पहनकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पारंपरिक परिधान के माध्यम से बिहार की कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने का यह प्रयास कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। साथ ही बॉलीवुड एक्टर रवि सुधा चौधरी को हुनर का ब्रैंड एम्बेसडर बनाया गया। प्रसिद्ध फ्लूट आर्टिस्ट पलक जैन ने अपनी मनमोहक बाँसुरी प्रस्तुति से पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। वहीं मुन्ना सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई। प्रसिद्ध एंकर एवं कॉमेडियन राज सोनी ने अपनी शानदार एंकरिंग, हास्य अंदाज और मंच संचालन से पूरे कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा। उन्होंने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को पूरे कार्यक्रम के दौरान बांधे रखा। कार्यक्रम को सफल बनाने में हुनर टीम की अक्षिता वैभव और पियूष की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम के सदस्यों ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, मंचीय गतिविधियों और प्रस्तुतियों को सफलतापूर्वक संभाला।

सावन महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण पटना के बच्चों एवं युवा प्रतिभाओं की शानदार भागीदारी रही। हुनर से जुड़े बच्चों के साथ-साथ पूरे पटना से आए बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक, नृत्य एवं मंचीय प्रस्तुतियों में हिस्सा लिया। बच्चों के आत्मविश्वास और प्रतिभा ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन में सावन की पारंपरिक संस्कृति, मिथिला कला, फैशन, संगीत, नृत्य और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला।

तिरंगा यात्रा, देश के प्रति प्रेम, एकता और सम्मान का प्रतीक : धर्मवीर ज्ञान प्रकाश सिंह

जौनपुर। तिरंगा यात्रा देश के प्रति प्रेम, एकता और सम्मान का प्रतीक है। यह यात्रा हमें स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की याद दिलाती है और नागरिकों, खासकर युवा पीढ़ी में राष्ट्र भावना जागृत करती है। जफराबाद में हरगोविंद इंटर कॉलेज से शहीद स्मारक हौज तक आयोजित तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल जौनपुर के प्रख्यात समाजसेवी और वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मवीर ज्ञान प्रकाश सिंह ने तिरंगा यात्रा को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि यह यात्रा राष्ट्रीय अखंडता का संदेश देती है और नागरिकों के मन में देश के प्रति सम्मान और प्रेम बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य देश के लिए जान कुर्बान करने वाले वीरों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को याद करना तथा जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर सबको एक सूत्र में पिरोना है। युवाओं को यह बताना कि आजादी कितनी मुश्किलों से मिली है और इसका मोल क्या है। धर्मवीर ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में घर-घर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा में भाजपा नेता अरविंद सिंह, सुनील सिंह, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रमोद बरनवाल, प्रधान चंदन सिंह, सुभाष शुक्ला, मंगला सिंह महामंत्री, मण्डल सिरकोनी आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा का सुंदर और प्रेरणादायक आयोजन सिरकोनी मंडल अध्यक्ष रजनीश चौबे द्वारा किया गया।

ईरान का इतना खौफ! ट्रंप को कैटरिंग ट्रक से दूसरे विमान में पहुंचाया गया

वाशिंगटन। तुर्किए में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा को लेकर एक बेहद गोपनीय अभियान चलाए जाने का दावा सामने आया है। वाशिंगटन पोस्ट ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि ईरान से संभावित खतरे को देखते हुए अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने ट्रंप को अंकारा से एक गुप्त सैन्य उड़ान के जरिये ब्रिटेन पहुंचाया। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप को कैमरों के सामने पुराने एयर फोर्स वन में सवार कराने के बाद चुपके से एक कैटरिंग ट्रक के जरिए दूसरे विमान तक ले जाया गया। बता दें कि कैटरिंग ट्रक का इस्तेमाल विमान में खानेपीने की चीजों और अन्य जरूरी सामग्री पहुंचाने के लिए किया जाता है। उस समय व्हाइट हाउस ने बताया था कि ट्रंप तुर्किए से ब्रिटेन के लिए एयर फोर्स वन में रवाना हुए हैं। लेकिन द पोस्ट के मुताबिक, ट्रंप के विमान में सवार होने के कुछ ही देर बाद उन्हें कैटरिंग ट्रक के जरिये एयरपोर्ट के एक हिस्से से बाहर निकाला गया और अमेरिकी वायुसेना के सी-32ए विमान में बैठाया गया। न्यूयार्क टाइम्स भी इससे मिलती-जुलती रिपोर्ट पहले प्रकाशित कर चुका है। ट्रंप नाटो सम्मेलन में शामिल होने के लिए कतर से मिले नए और अपग्रेड किए गए विमान से अंकारा पहुंचे थे। यह विमान उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा में इस्तेमाल हुआ था। हालांकि, तुर्किए से रवाना होते समय ट्रंप ने अचानक पुराने एयर फोर्स वन से ब्रिटेन जाने का फैसला किया।

फांसी की सजा उम्रकैद में बदली, 50 साल रहना होगा जेल में

चंडीगढ़। हरियाणा के कैथल में सात साल की मासूम लाडली (बदला हुआ नाम) से दुष्कर्म और हत्या के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा दोषी पवन उर्फ मोनी को सुनाई गई फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया है। हालांकि, कोर्ट ने उम्रकैद की सजा के साथ ऐसी कड़ी शर्त लगाई है, जिसके तहत दोषी को कम से कम 50 साल की वास्तविक सजा जेल में बितानी होगी। इससे पहले उसे किसी भी स्थिति में रिहाई नहीं मिल सकेगी। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि दोषी पवन उर्फ मोनी को उम्रकैद की सजा भुगतनी होगी, लेकिन वह 50 साल की वास्तविक सजा पूरी किए बिना जेल से बाहर नहीं आ सकेगा। इस तरह सजा में बदलाव के बावजूद दोषी को लंबे समय तक जेल में ही रहना होगा। कोर्ट ने यह व्यवस्था अपराध की गंभीरता को देखते हुए की है, ताकि दोषी को लंबे समय तक समाज से दूर रखा जा सके। हाई कोर्ट ने दोषी पर भारी आर्थिक दंड भी लगाया है। दोषी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत 50 लाख रुपये और पोक्सो एक्ट के तहत 23 लाख रुपये का जुमार्ना भरना होगा। इस तरह उस पर कुल 73 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि जुमार्ने की यह पूरी राशि पीड़ित बच्ची के परिवार को मुआवजे के तौर पर दी जाएगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि जुमार्ने की राशि का भुगतान नहीं करने की स्थिति में भी दोषी को रिहाई नहीं मिलेगी। यानी 50 साल की वास्तविक सजा पूरी करने की शर्त के साथ पीड़ित परिवार के लिए निर्धारित मुआवजे की राशि भी देनी होगी। वसूल की गई पूरी राशि पीड़ित बच्ची के माता-पिता और भाई-बहनों में बराबर बांटी जाएगी। मामला आठ अक्टूबर 2022 का है।

2027 का शंखनाद : काशी की सभी 71 सीटों पर कमल खिलाने का लक्ष्य

समाजवादी पार्टी संस्कृति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व एमएलसी काशीनाथ यादव से उत्तर प्रदेश भवन वशी में मुलाकात करते हुए रामलाल यादव। छाया: उत्तरशक्ति

पहली बार काशी पहुंचे क्षेत्र प्रभारी रमेश सिंह ने सर्किट हाउस में की तीन बड़ी संगठनात्मक बैठकें, सांसद-विधायकों व पदाधिकारियों को दिया एकजुटता का मंत्र

-सुरेश गांधी

वाराणसी. भाजपा ने काशी क्षेत्र में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों का औपचारिक शंखनाद कर दिया है। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं काशी क्षेत्र के नवनियुक्त प्रभारी रमेश सिंह ने मंगलवार को अपने प्रथम काशी प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में लगातार तीन महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें कर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय होने का संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 2027 में काशी क्षेत्र की सभी 71 विधानसभा सीटों पर कमल खिलाना भाजपा का लक्ष्य है और इसे हासिल करने के लिए संगठन को एक लय, एक स्वर और एक वातावरण में काम करना होगा।

बैठकों में काशी क्षेत्र के 16 संगठनात्मक जिलों के सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, प्रदेश एवं क्षेत्र पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी तथा तिरंगा यात्रा व्यवस्था टोली के पदाधिकारी शामिल हुए। चुनावी तैयारियों, संगठन विस्तार, बूथ सशक्तीकरण और आगामी अभियानों की रणनीति पर विस्तार से मंथन किया गया। रमेश सिंह ने

कहा कि चुनाव के समय देश और दुनिया की निगाहें काशी क्षेत्र पर रहती हैं। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि काशी के कार्यकर्ता कर्मठ, अनुशासित और परिश्रमी हैं तथा यही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आह्वान किया कि हर कार्यकर्ता बूथ तक पहुंचकर पार्टी की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को जन-जन तक पहुंचाए।

टिकट से बड़ा संगठन

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण संदेश संगठनात्मक एकता रहा। रमेश सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव लड़ने की इच्छा रखना स्वाभाविक है, लेकिन पार्टी जिस उम्मीदवार को कमल का निशान दे, उसके बाद सभी कार्यकताओं का पहला दायित्व उसकी जीत सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत आकांक्षाएं संगठन से बड़ी नहीं हो सकतीं और मतभेदों को चुनावी सफलता के रास्ते में नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि चुनाव व्यक्ति विशेष का नहीं बल्कि विचारधारा और संगठन की विजय का अभियान है। इसलिए गिले-शिकवे भुलाकर पूरी शक्ति के साथ पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के पक्ष में जुटना होगा। बैठक की अध्यक्षता काशी क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने की। स्वागत उद्बोधन भी उन्होंने ही दिया। संचालन क्षेत्र महामंत्री संतोष पटेल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश उपाध्यक्ष एवं किसान मोर्चा प्रभारी शंकर गिरी ने किया।

ये रहे मंचासीन

मंच पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं काशी क्षेत्र प्रभारी रमेश सिंह, क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया, शंकर गिरी, कृष्ण बिहारी राय, सुरेश मौर्य, प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर, प्रदेश मंत्री राकेश बिंद, राज्य मंत्री संजीव गौड़ और क्षेत्र महामंत्री संतोष पटेल उपस्थित रहे। बैठक में जिलाध्यक्ष राम सकल पटेल, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, रमेश जायसवाल, रत्नाकर मिश्रा और कैलाश आचार्य, विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र राय और विनीत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।